दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

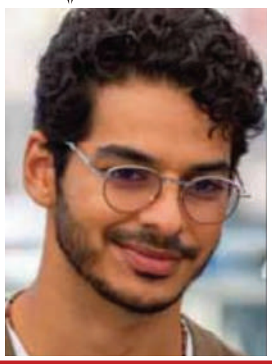

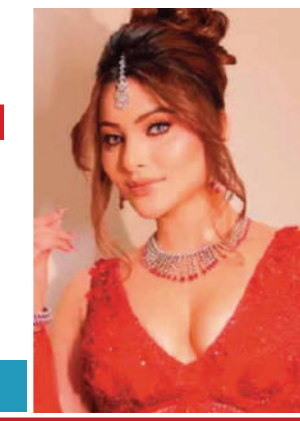

द रॉयल्स' के एक साल पूरे, भावुक हुए ईशान

मेरे किरदार की चुप्पी में छिपा संघर्ष

वर्ष : 12 | अंक : 139 | लखनऊ, 11 मई, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

90 दिन बाद बदलेगा गैस उपभोक्ता का फोन नंबर

नई दिल्ली। लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की किल्लत के बीच अब उपभोक्ताओं को फोन नंबर बदलने के लिए 90 दिन इंतजार करना पड़ेगा। पेट्रोलियम कंपनियों ने पोर्टल पर तत्काल फोन नंबर बदलने की प्रक्रिया स्थगित कर दी है। बायोमीट्रिक जांच के साथ ही केवाईसी होगी। नए नियम से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ेगी।

डिवाइडर से टकराया कैंटर, तीन की मौत

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में 8माह के मासूम और 2महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ थाना इलाके में रविवार तड़के गंगा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में 2 महिलाओं और मासूम की मौत हो गई।

एक और प्रसूता की मौत और 2 की किडनी फेल

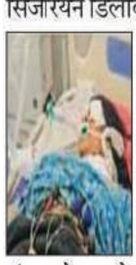

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद दो प्रसूताओं की मौत और चार महिलाओं की तबीयत बिगड़ने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब संभाग के सबसे बड़े जेके लोन अस्पताल से भी गंभीर मामला सामने आया है। प्रसूता की सिजेरियन के बाद मौत हो गई।

यादव को बिश्नोई की धमकी, मांगे 10 करोड़

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव को 10 करोड़की फिरौती की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें एक विदेशी वाट्सएप नंबर से दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को रणदीप मलिक बताया और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंध होने का दावा किया।पैसे न देने पर उन्हें दो दिन के भीतर गोली मारने की धमकी दी गई है।

एअर इंडिया में 3 साल में 1000 कर्मियों की छुट्टी

मुंबई। यहां एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि पिछले तीन वर्षों में कंपनी ने 1000 से अधिक कर्मचारियों को नैतिक उल्लंघन के मामलों में नौकरी से हटाया है। यह कार्रवाई नियमों का उल्लंघन, गलत तरीके से सुविधाओं का उपयोग और विमानन सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर की गई है।

पीएम मोदी ने तेलंगाना में 9,400 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया

जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर किया बड़ा हमला

कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंपा
सत्ता बदलते ही कांग्रेस ने मार ली पलटी

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

बेंगलुरु से पीएम तेलंगाना पहुंचे। यहां हैदराबाद में उन्होंने 9,400 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शाम को पीएम गुजरात जाएंगे, रविवार रात को जामनगर में रुकेंगे। 11 मई को सुबह करीब 10.15 बजे सोमनाथ मंदिर में 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में शामिल होंगे। बाद में वे वडोदरा में सरदारधाम हॉस्टल' का उद्घाटन करेंगे। यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम ने बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में नव-निर्मित मंदिर में पूजा की।यहां पर पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और डीएमके के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं। डीएमके ने कई बार कांग्रेस को संकट से बाहर निकाला। 2014 से पहले केंद्र में 10 साल तक चली कांग्रेस सरकार भीडीएमके के समर्थन की वजह से ही टिकी रही। डीएमके ने हर समय कांग्रेस के हित में काम किया, लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला, कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंप दिया।

बेंगलुरु से पीएम मोदी पहुंचे तेलंगाना और कांग्रेस पर साधा निशाना

तेलंगाना में 50 हजार करोड़ की रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा

पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त आंध्र के समय रेलवे का बजट 1000 करोड़ से भी कम था। आज सिर्फ तेलंगाना का रेलवे बजट ही करीब 5,500 करोड़ का है। राज्य में इस समय लगभग 50 हजार करोड़ की रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

साइबराबाद देश के तेज विकास का बड़ा केंद्र

हैदराबाद में पीएम मोदी ने कहा कि साइबराबाद का सामर्थ राष्ट्रीय भी है और ग्लोबल भी है। यह तेलंगाना और देश के तेज विकास का बड़ा केंद्र है। इसलिए यहां तेलंगाना को बड़ा मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस बनाने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है।

कर्नाटक में हाई अलर्ट

बेंगलूरू में पीएम मोदी की यात्रा से पहले संदिग्ध सामग्री बरामद

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे से पहले बेंगलूरू में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सतर्कता बरतनी पड़ी। रविवार सुबह सुरक्षा जांच के दौरान कार्यक्रम स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर फुटपाथ के किनारे दो जिलेटिन स्टिक बरामद की गईं। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरे रूट और आसपास के क्षेत्रों की गहन जांच कर रही थीं। इसी दौरान संदिग्ध वस्तु दिखाई दी।

हैदराबाद में बड़ा संदेश

विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और आधारशिला रखी

पीएम मोदी ने हैदराबाद में लगभग 9,400 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में कार्यक्रम हुआ।

पीएम ने मेगा टेक्सटाइल पार्क का भी उद्घाटन किया: हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे के अंतर्गत गुडेबेल्लूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 को 4 लेन में विकसित करना प्रमुख है। मेगा टेक्सटाइल पार्क का उद्घाटन किया।

तेलंगाना के विकास के लिए तेज गति से काम करेगी केंद्र सरकार

पीएम मोदी ने कहा कि मैं तेलंगाना के हर परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि केंद्र उनके सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। मलकापुर में नए इंडियन ऑयल टर्मिनल का उद्घाटन इसी दिशा में अहम कदम है, जो तेलंगाना की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।

आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर ऐतिहासिक क्षण आया सामने

आर्ट ऑफ लिविंग में ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया

आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी के साथ आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के 45 वर्ष पूर्ण होने और इसके संस्थापक के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में सहभागिता की।

प्रधानमंत्री मोदी ने आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष पूर्ण होने पर ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया। मध्यप्रदेश से हजारों साधक ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनने बेंगलुरु पहुंचे।

केरल में सीएम की नियुक्ति

टेंशन में कांग्रेस... गुटबाजी को लेकर राहुल गांधी नाराज

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केरल के सीएम पद के उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस के अंदर शनिवार को खींचतान तेज हो गई। पार्टी हाईकमान के आवास पर तीन दावेदारों वी डी सतीशन, के सी वेणुगोपाल और पूर्व राज्य कांग्रेस अध्यक्ष रमेश चेन्निथला के साथ 3 घंटे तक गहन चर्चा हुई। किसी भी दावेदार पर सहमत नहीं बन सकी। तीनों को राज्य कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ के साथ मिलकर सड़क पर विरोध प्रदर्शन न करने की संयुक्त अपील जारी की। सतीशन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे तीनों नेताओं के समर्थकों द्वारा राज्य भर में लगाए गए सभी फ्लेक्स बोर्ड और बैनर शनिवार रात तक हटा दें।

सड़कों पर समर्थन न दिखाएं

राहुल ने केरल की सड़कों पर कांग्रेस के अभूतपूर्व गुटबाजी प्रदर्शन पर कड़ा रुख अपनाया है और तर्क दिया है कि इसने विधानसभा चुनावों में यूडीएफ की शानदार जीत की चमक को धूमिल कर दिया है। राहुल इस पर बेहद नाराज थे। उन्होंने तीनों उम्मीदवारों से कहा कि भारी जनादेश को देखते हुए दबाव बनाने के हथकंडे न अपनाएं।

रंगासामी 13 को पुडुचेरी के सीएम की लेंगे शपथ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एन. रंगासामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उप-राज्यपाल कैलाश नाथन ने रंगासामी को केंद्रशासित प्रदेश में नए सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। वे 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वे पांचवी बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री होंगे। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस-के नेतृत्व में एनडीए ने 9 अप्रैल को हुए चुनाव में बहुमत हासिल किया है।

बंगाल में बड़ा फेरबदल

सुवेंदु ने शांतनु समेत कई अधिकारियों को किया इधर-

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में नवगठित सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में आने वाले महीनों में पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल किया है। शपथ के 24 घंटे के अंदर राज्य सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय की नौकरशाही संरचना में व्यापक बदलाव किए हैं। पूर्व सीएम ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाले पूर्व केंद्रीय कार्यालय से जुड़े 16 नौकरशाहों को बदल दिया गया है। पूर्व अधिकारियों में सबसे प्रमुख नाम 2014 बैच के आईएएस शांतनु मुखोपाध्याय का है। टीएमसी से संबद्ध सरकारी कर्मचारी संघ के शीर्ष नेता व केंद्रीय कार्यालय में तैनात प्रताप नायक का तबादला दार्जिलिंग में किया है।

राजस्थान में खुलासे से हड़कंप

60 लाख में बिका कृषि विज्ञान का पेपर, गिरोह के 3 गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/ जयपुर,

राजस्थान में वर्ष 2022 की प्राध्यापक/स्कूल व्याख्याता (कृषि विज्ञान) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने बड़ा खुलासा करते हुए तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा समेत 3आरोपियों को गिरफ्तार किया है। संगठित गिरोह ने फर्जी डिग्री, बैकडेट मार्कशीट और लीक प्रश्नपत्रों के जरिए अभ्यर्थियों

को सरकारी नौकरी दिलाने का खेल रचा था। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि ओपीजेएस विवि से बैकडेट में बीएड और एमएससी एग्रीकल्चर की फर्जी मार्कशीट तैयार कर अभ्यर्थियों को भर्ती कराया गया।

निलंबित टीएमसी नेता दत्ता ने लगाए गंभीर आरोप

शीर्ष नेतृत्व को लेनी होगी हार की जिम्मेदारी
भ्रष्टाचार के साथ आईपैक को बताया कारण

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है।

टीएमसी के निलंबित नेता रिजु दत्ता ने पार्टी की कार्यप्रणाली, चुनावी रणनीतिकार संस्था आई पैक और संगठन के भीतर बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल बढ़ी

कंपनी ने ममता को अंधेरे में रखा

दत्ता ने कहा कि आज प्रातिक जैन कहां हैं? उन्होंने टीएमसी से पैसा कमाया और बाजार से भी फंड जुटाया। उन्होंने आरोप लगाया कि आईपैक केवल पार्टी को चला रही थी और पार्टी सुप्रीमो ममता को स्थिति से अंधेरे में रखा गया।

निचले स्तर के भ्रष्टाचार ने भी छवि खराब की

दत्ता ने जमीनी कार्यकर्ताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि निचले स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जनता के खिलाफ अत्याचार और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया, जिससे आम लोगों में पार्टी की छवि खराब हुई।

मातृ दिवस पर केंद्र सरकार ने शुरू किया विशेष अभियान

उत्तर मुंबई में गर्भवती पोषण किट का वितरण किया

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री गोयल ने जरूरतों पर रखा ध्यान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को मातृ दिवस पर उत्तर मुंबई में गर्भवती पोषण किट का वितरण किया।इस दौरान गोयल ने कहा कि इस किट में हर उस जरूरत की चीज का ध्यान रखा गया है जो गर्भावस्था के आखिरी के दिनों में एक माता और बहन के लिए आवश्यक होती है। इसमें बच्चे के शुरुआती दिनों की जरूरी का ध्यान रखा गया है। इससे बच्चा और मां दोनों सेहतमंद रहेंगे। उन्होंनेकहा कि इस कल्पना को आगे बढ़ाते हुए हम पूरे उत्तर मुंबई के अलग-अलग इलाकों में इस किट को बांटेंगे, ताकि किसी भी निम्न-मध्यम परिवारों की मां और बहनों को कोई समस्या न हो।

किसानों की खुशहाली पर भी की बात

गोयल ने इंडियन चैंबर ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष डॉ. एमजे खान के साथ बैठक की और देश के किसानों के जीवन स्तर को और बेहतर बनाने की पहलों पर चर्चा की, दक्षिण के विकास को बढ़ावा देने के तहत अफ्रीकी देशों के साथ भारत की कृषि विशेषज्ञता को साझा करने पर बात की।

खान एक जाना पहचाना नाम

खान जाने माने भारतीय कृषि विशेषज्ञ और नीति विश्लेषक हैं। वे कृषि व्यवसाय, कृषि नीतियों और सतत विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी आवाज हैं, जिन्होंने जैविक खेती पर राष्ट्रीय नीति और वैश्विक कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन जैसी पहलों का नेतृत्व किया है।

मैं सभी माताओं की वंदना करता हूं

गोयल ने कहा कि हम निम्न-मध्यम परिवारों की मां और बहनों को पोषण के आधार पर तैयार की हुई किट दे रहे हैं। हर महीने यह किट दी जाएगी, जिससे मां और बच्चा दोनों तंदुरुस्त रहे। इस कार्यक्रम को पूरे उत्तर मुंबई में चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि हमारी माताएं और बहनें हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और लक्ष्मी और मां दुर्गा का स्वरूप हैं इसलिए कोई गलत काम करे तो उसे हमारी माताएं-बहनें छोड़ेंगी नहीं। आप हर स्वरूप में देश के निर्माण में जो योगदान दे रही हैं, मैं उसका वंदन करता हूं।

योगी कैबिनेट में 6 नए चेहरे

भूपेंद्र व मनोज बने कैबिनेट मंत्री व बाकी सब राज्यमंत्री

अमन लेखनी समाचार/ लखनऊ,

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्रिपरिषद का रविवार को विस्तार हुआ है। भूपेंद्र चौधरी और मनोज पांडे कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं।

सोमेंद्र तोमर और अजीत पाल सिंह को स्वतंत्र प्रभार का राज्य मंत्री बनाया गया। कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाया गया। नए चेहरों में 2 राज्य मंत्रियों को प्रमोशन देकर स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी की एक नेक पहल है। सबका साथ सबका विकास की झलक है।

इन नेताओं ने भी ली शपथ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भूपेंद्र सिंह चौधरी, मनोज पांडेय, कृष्णा पासवान, कैलाश सिंह राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री पद की शपथ दिलाई। यूपी कैबिनेट में छह मंत्री बने, दो का प्रमोशन हुआ है।

मां के प्रेम संबंध के चक्कर में बेटे ने चाचा संग मिलकर की थी सूरज की हत्या

हत्या की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया खुलासा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने शुक्रवार रात हुई युवक की हत्या की सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में घटना के मुख्य आरोपी और एक नाबालिग बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चापड़, खून से सनी ईंट और मृतक का आईफोन भी बरामद किया है। बताते चलें कि बिजनौर के अशरफ नगर निवासी व एसजीपीजीआई में संविदा सफाई कर्मी के पद पर तैनात सूरज गौतम (28) शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे थोड़ी देर में घर आने की बात कह कर बाइक से निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी देर बाद भी न लौटने पर उसकी मां केशाना और बड़े भाई शुभम ने कई बार उसे फोन किया, लेकिन सूरज का फोन बराबर स्विच ऑफ बताता रहा। जिसके बाद केशाना और शुभम ने उसकी तलाश की। लेकिन पता नहीं चला। शनिवार सुबह खोजबीन के दौरान शुभम को उसके भाई सूरज की बाइक घर से करीब 100 मीटर दूर गांव के बाहर बिजनौर जाने वाली सड़क किनारे खड़ी मिली थी। जबकि बाइक से करीब 100 मीटर दूर झील के किनारे खाली प्लाट में सूरज का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला था। इस मामले में शुभम ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए डीसीपी दक्षिणी के निर्देशन में तीन टीमें गठित की गईं। इस दौरान पुलिस ने करीब 50 सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और मैनुअल इंटेलिजेंस के आधार पर जांच शुरू

की। तभी जांच के दौरान शनिवार देर रात रसूलपुर इटुरिया नाले की पुलिया के पास से अशरफ नगर निवासी मुख्य आरोपी अनिल कुमार यादव और रिश्ते में उसके 17 वर्षीय नाबालिक चाचा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी अनिल ने बताया कि उसकी मां और मृतक सूरज के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध थे। करीब दो महीने पहले उसने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। तब लोक लाज की वजह से इस बारे में वह कुछ नहीं कहा पाया। बाद में उसने सूरज को घर आने से मना किया, लेकिन सूरज नहीं माना। तभी गुस्से में आकर सूरज को निपटाने का प्लान बना डाला। आरोपी ने बताया कि 8 मई को उसे और अपने नाबालिग चाचा को एक शादी में शामिल होने जाना था। लेकिन उससे पहले उसने सूरज को बुलाया और पैसे देकर शराब लेने भेज दिया। बाद में सूरज की बाइक पर बैठ कर तीनों लोग शराब पीने के बहाने गांव के बाहर आम के बाग के सामने झील के पास खाली प्लॉट में गए। वहां तीनों लोगों ने शराब पी, लेकिन योजना के तहत सूरज को अधिक शराब पिलाई गई। जब सूरज अधिक नशे में हो गया, तो पहले से छुपा कर लाए गए चापड़ से उसके चेहरे पर वार कर दिया। सूरज ने भागने की कोशिश की, लेकिन अधिक नशे में होने के कारण वह गिर गया। आरोपी अनिल ने बताया कि इसके बाद उसने चापड़ से और उसके नाबालिग चाचा ने वहां पर पड़े ईंट से सूरज के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किये। जब तक सूरज मर नहीं गया, तब तक दोनों उस पर वार करते रहे। जब उनको सूरज की मौत का यकीन हो गया, तब उसकी जेब से उसका मोबाइल निकाल कर चापड़ और खून में सने ईंट को बगल में हरे चारे के खेत में फेंक दिया। उसके बाद वहां से दोनों भाग निकले। पूछताछ में बताया कि घटना के दौरान दोनों के कपड़ों में खून लग गया था। बाद में खून के दाग धोकर वही कपड़े पहने और दोनों शादी में चले गए। जिससे कि किसी को शक ना हो। उन्होंने बताया कि जब घटनास्थल पर पुलिस आई तब भी दोनों वहां गए थे, जिससे कि किसी को उनके ऊपर संदेह ना हो सके। पुलिस ने बताया कि आरोपी अनिल कुमार कक्षा 8 तक पढ़ा है और एक मॉल में स्वीपर का कार्य करता है। जबकि बाल अपचारी कक्षा 9 का छात्र है। फिलहाल पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बरामद आला कत्ल को कब्जे में लेने के साथ मुख्य आरोपी को जेल, जबकि उसके नाबालिक चाचा को बाल सुधार गृह भेज दिया है।

चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर नकदी और गहने किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर नकदी और कीमती गहने चोरी कर लिए। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के न्यू गुड़ौरा, औरंगाबाद जागीर निवासी नागेश शर्मा के मुताबिक 6 मई को दोपहर करीब 2 बजे वह घर में ताला बन्द कर परिवार सहित एक शादी समारोह में शामिल होने उन्नाव स्थित रिश्तेदारी में गए थे। अगले दिन 7 मई की सुबह करीब 7 बजे जब वापस लौटे तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरों और अलमारियों के ताले टूटे पड़े मिले। साथ ही सारा सामान बिखरा हुआ था। पीड़ित के मुताबिक अलमारी में रखे करीब 18 हजार रुपये और कीमती गहने गायब थे। यह देख पीड़ित के होश उड़ गए और आनन-फानन घटना की सूचना

डायल 112 पर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच की। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का सुराग लगा रही है।

अखिलेश राज में कटियाबाजों को मिला संरक्षण : एके शर्मा

अमन लेखनी समाचार

- अज्ञात ढंग से लगाये गये 'कटियाबाज' पोस्टर वार के बीच अखिलेश पर ऊर्जा मंत्री का बड़ा हमला
- अखिलेश सरकार ने पूरे बिजली ईको सिस्टम में 'बबूल' बोने का काम किया
- सपा राज में सुनियोजित ढंग से कराई जाती थी बिजली चोरी

लखनऊ। प्रदेश भर में अज्ञात लोगों की ओर से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को 'कटियाबाज' बताते हुए लगाए गए पोस्टरों के बीच योगी सरकार के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भी सपा पर तीखा हमला बोला है। सपा राज में बिजली व्यवस्था को लेकर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने प्रदेश के बिजली तंत्र को पूरी तरह बर्बाद करने का काम किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में नेताओं, गुंडों और माफियाओं को 'कटिया मारकर बिजली चलाने' का खुला लाइसेंस दे दिया गया था। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल में प्रदेश के पूरे बिजली ईको सिस्टम में 'बबूल' बोने का काम किया।

ऊर्जा मंत्री ने सबसे बड़ा हमला बिजली चोरी को लेकर बोला। उन्होंने कहा कि सपा शासन में नेताओं और उनके करीबी लोगों को कटियाबाजी कर मुफ्त बिजली बांटने की खुली छूट थी। 'हर जगह इनके गुंडे और माफिया बिजली के वितरक बन गए थे। खुद कटियाबाजी करते थे और दूसरों को भी कटियाबाजी करवाते थे।' उन्होंने दावा किया कि संभल और मथुरा समेत कई जिलों में सुनियोजित ढंग से बिजली चोरी कराई जाती थी, लेकिन योगी सरकार ने ऐसे कटियाबाजों पर कड़ी कार्रवाई कर लगाम लगाने का काम किया। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सपा सरकार के समय लगाए गए ट्रांसफॉर्मर, तार और खंभे बेहद खराब गुणवत्ता के थे, जो आए दिन फुंक जाते थे।

आज भी प्रदेश जिन खराब तारों और जर्जर खंभों की समस्या से जूझ रहा है, वह सपा सरकार की ही देन है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने पिछले वर्षों में बिजली व्यवस्था में बड़े सुधार किए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को बेहतर बिजली ढांचा देने का काम लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने इन भ्रष्ट व्यवस्थाओं को सुधारने का बीड़ा उठाया है। तकनीकी सुधारों और डिजिटल सिस्टम के जरिए मानवीय हस्तक्षेप कम किया गया ताकि भ्रष्टाचार पर रोक लग सके और जनता को राहत मिले। एके शर्मा ने आरोप लगाया कि सपा सरकार ने बिजली खरीद में भी घोटाले किए। उन्होंने कहा कि आज सरकार जिस दर पर बिजली खरीद रही है, उससे भी ज्यादा महंगी दरों पर सपा सरकार ने बिजली खरीद के करार किए थे। इसका खामियाजा आज भी प्रदेश की जनता भुगत रही है और आने वाले वर्षों तक लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना मेरिट और गलत तरीके से भर्तियां की गईं, जिसके चलते भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत हुईं। एके शर्मा ने सपा सरकार पर बिजली विभाग के कर्मचारियों के भविष्य निधि घोटाले का भी आरोप लगाया।

बिजली क्षेत्र में सरकार ने गिनाईं बड़ी उपलब्धियां

ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सरकार ने दावा किया कि प्रदेश में अब जनपद मुख्यालयों को 24 घंटे, तहसील मुख्यालयों को 22 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों को 20 घंटे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। वर्ष 2017 से नवंबर 2025 तक 15.87 लाख नए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर लगाए गए और 765 नए 33/11 केवी सब-स्टेशन बनाए गए। प्रदेश की अधिकतम बिजली मांग 31,486 मेगावाट तक पहुंची है। सरकार ने 165 लाख नए बिजली कनेक्शन दिए, 59 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए और 26 हजार किलोमीटर से ज्यादा पारेषण लाइन का विस्तार किया। साथ ही सौभाग्य योजना के तहत 2.86 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभान्वित किया गया और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निजी नलकूपों को बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए।

पंकज चौधरी ने नवनियुक्त मंत्रियों को दी बधाई

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को प्रदेश सरकार के सभी नवनियुक्त मंत्रिगणों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी मंत्रीगण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनसेवा, सुशासन और विकास के संकल्प को नई गति प्रदान करेंगे। उन्होंने पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी सहित मनोज पांडेय, अजीत सिंह पाल, सोमेंद्र तोमर, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के मंत्री के रूप में आप सभी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए प्रदेश के गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

उत्तर प्रदेश बनेगा देश का सबसे बड़ा स्किल हब

13 विभागों के युवाओं को मिलेगा उद्योग आधारित कौशल प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) ने राज्य को देश का अग्रणी स्किल हब बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है।

प्रदेश के 13 प्रमुख विभागों को कौशल विकास प्रशिक्षण का प्रस्ताव भेजते हुए आगामी तीन महीनों में बड़े स्तर पर युवाओं को रोजगारपरक और उद्योग आधारित प्रशिक्षण से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमशीलता से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत शहरी गरीब परिवारों, ग्रामीण युवाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों, अल्पसंख्यक समुदाय, निर्माण श्रमिक परिवारों, विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तथा कारागारों से जुड़े युवाओं को उनकी रुचि और उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। योगी सरकार की यह पहल सामाजिक समावेशन और आर्थिक सशक्तिकरण के मॉडल के रूप में देखी जा रही है। विशेष रूप से गरीब और वंचित वर्गों के युवाओं को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कौशल विकास को युवाओं की आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम मानते हुए आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक वर्ग तक कौशल प्रशिक्षण की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभागीय समन्वय के साथ तेज गति से कार्य किया जा रहा है।

मिशन निदेशक पुलकित खरे द्वारा संबंधित विभागों को पत्र जारी कर प्रशिक्षण लक्ष्य एवं कार्ययोजना साझा करने का अनुरोध किया गया है। जून माह के प्रथम सप्ताह में प्रशिक्षण लक्ष्यों का आवंटन किए जाने की संभावना है। साथ ही सभी विभागों से नोडल अधिकारी नामित करने को कहा गया है, ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन तेजी से किया जा सके।

योजना के अंतर्गत कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं विभाग के माध्यम से जेलों में निरुद्ध युवाओं को भी कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। सरकार का उद्देश्य उन्हें प्रशिक्षण देकर पुनर्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। इसके अलावा राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा), उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग और ग्राम्य विकास विभाग से जुड़े युवाओं को आधुनिक उद्योगों की मांग के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। पुलकित खरे ने बताया कि यूपीएसडीएम को राष्ट्रीय स्तर पर एनसीवीईटी द्वारा अवार्डिंग बॉडी की मान्यता प्राप्त है, जिससे प्रशिक्षण और प्रमाणन की गुणवत्ता सुनिश्चित होती है। वर्तमान में मिशन से राजकीय संस्थानों के साथ प्रतिष्ठित निजी और औद्योगिक इकाइयां भी प्रशिक्षण पार्टनर के रूप में जुड़ी हुई हैं। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सरकार के कॉस्ट कॉमन नॉर्म्स (सीसीएन) के अनुरूप संचालित किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित होंगी। मिशन निदेशक ने बताया कि यूपीएसडीएम का उद्देश्य 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को अल्पकालीन, रोजगारपरक एवं उद्योग आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। पिछले 9 वर्षों में मिशन द्वारा 8,09,494 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिनमें से 3,04,810 युवाओं को रोजगार एवं सेवायोजन के अवसरों से जोड़ा गया है।

यह उपलब्धि योगी सरकार की उस सोच को दशार्ती है जिसमें युवा शक्ति को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार माना गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि प्रशिक्षित मानव संसाधन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी देश का अग्रणी राज्य बनाना है।

अजय राय ने छात्रा की सकुशल बरामदगी का उठाया मुद्दा

- अमित शाह और योगी को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा पत्र, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की उठायी मांग

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। उन्होंने अपहृत छात्रा के विषय में जानकारी देते हुए छात्रा को सकुशल बरामद करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने पत्र लिखते हुए कहा कि महोबा से 30 अप्रैल को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही मध्य प्रदेश निवासी 25 वर्षीय छात्रा निशा अहिरवार के अपहरण की अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक घटना सामने आई है। यह घटना न केवल प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा को लेकर आपकी सरकार के दावों की वास्तविकता भी उजागर करती है।

उन्होंने लिखा कि समाचार माध्यमों से प्राप्त जानकारी एवं पीड़िता के परिजनों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, छात्रा पूर्व से ही नामजद आरोपियों मोहित, अंकित एवं संतराम द्वारा लगातार उत्पीड़न एवं धमकियों का सामना कर रही थी। आरोपियों ने पूर्व में छेड़खानी की घटना को लेकर दर्ज मुकदमे में समझौते का दबाव बनाया तथा समझौता न करने पर छात्रा के अपहरण एवं दुष्कर्म की धमकियां दी थीं। परिजनों द्वारा इस संबंध में बार-बार पुलिस को अवगत कराने के बावजूद स्थानीय पुलिस ने समय रहते प्रभावी संज्ञान नहीं लिया। परिणामस्वरूप अपराधियों के हौसले इतने बढ़ गए कि उन्होंने इस जघन्य अपराध को अंजाम दे दिया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े लगातार यह संकेत देते रहे हैं कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में उत्तर प्रदेश की स्थिति अत्यंत चिंताजनक रही है। इसके बावजूद आपकी सरकार मीडिया प्रबंधन के माध्यम से कानून-व्यवस्था की झूठी छवि प्रस्तुत करने में लगी हुई है, जबकि धरातल पर बेटियां असुरक्षित हैं और पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने एवं प्रभावी कार्रवाई करने में भी उदासीन दिखाई देती है।

बच्चों को पढ़ाई के साथ मिलेगी भारतीय भाषाओं और सांकेतिक संवाद की सीख

- 13 से 19 मई तक परिषदीय और कस्तूरबा विद्यालयों में लगेंगे 'भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर

लखनऊ। योगी सरकार अब शिक्षा को भारतीय संस्कृति, संवाद कौशल और सामाजिक समावेश से जोड़ते हुए नई पीढ़ी को भारतीय भाषाई विरासत से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के परिषदीय और कस्तूरबा विद्यालयों में 13 से 19 मई तक 'भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर-2026' आयोजित किए जाएंगे, जहां बच्चों को पढ़ाई के साथ भारतीय भाषाओं और सांकेतिक संवाद की भी सीख दी जाएगी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), बीएसए, खंड शिक्षा अधिकारियों और अन्य अधिकारियों को मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नई शिक्षा नीति-2020 के विजन को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए बहुभाषावाद और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। शिविर के दौरान बच्चे अपनी मातृभाषा के साथ दूसरी भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे। संवाद कौशल विकसित करेंगे और पहली बार इंडियन साइन लैंग्वेज (आईएसएल) की बुनियादी जानकारी भी प्राप्त करेंगे। योगी सरकार शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर बच्चों को भारतीय संस्कृति, विविधता और सामाजिक संवेदनशीलता से जोड़ने का माध्यम भी बना रही है। यह शिविर भाषा सीखने के कार्यक्रम के साथ-साथ नई पीढ़ी को भारतीयता, सांस्कृतिक समरसता और राष्ट्रीय एकता से जोड़ने वाले अभियान के रूप में भी स्थापित हो रहा है। सरकार अब प्रदेश में शिक्षा को भारतीयता, सांस्कृतिक जुड़ाव और सामाजिक समावेश से जोड़कर नई दिशा देने की ओर अग्रसर हो चुकी है। 'भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर-2026' आने वाले समय में बच्चों में संवाद क्षमता, भाषाई समझ और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने वाला बड़ा अभियान बन सकता है। शिविर का उद्देश्य बच्चों में भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और बहुभाषावाद की समझ विकसित करना है। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी बुनियादी संवाद कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय एकता की सबसे मजबूत कड़ी है। इसी सोच के अंतर्गत योगी सरकार द्वारा स्कूलों में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शिविर में इंडियन साइन लैंग्वेज को शामिल किया जाना योगी सरकार की समावेशी शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और आरपीडब्ल्यूडी एक्ट-2016 के अनुरूप बच्चों को सांकेतिक भाषा के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि समाज में संवेदनशीलता और समावेश की भावना को बढ़ावा मिल सके। एससीईआरटी द्वारा पीएम ई-विद्या चैनल के माध्यम से इंडियन साइन लैंग्वेज से जुड़ी शैक्षिक सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे शिक्षक और छात्र दोनों इसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा प्रदेशभर में सकुशल सम्पन्न

एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से हुई परीक्षा केन्द्रों की निगरानी

अमन लेखनी समाचार

- लखनऊ में पायलट प्रोजेक्ट के तहत परीक्षा कक्ष में ही ओएमआर स्कैनिंग
- दो दिनों में कुल 1,92,934 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

प्रयागराज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा आयोजित विज्ञापन संख्या 02/2022 प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा रविवार को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर सकुशल सम्पन्न करायी गयी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। प्रथम पाली में नागरिक शास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, संस्कृत एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षा तथा द्वितीय पाली में रसायन विज्ञान, भूगोल, हिन्दी एवं कला विषयों की परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02:30 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित की गयी।

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा का संचालन आयोग द्वारा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर पूर्ण पारदर्शिता, नकलविहीन एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न कराया गया। परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से सभी परीक्षा केन्द्रों की सतत निगरानी की गयी। आयोग के अध्यक्ष, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव की उपस्थिति में परीक्षा केन्द्रों पर लगे एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर निरंतर दृष्टि रखी गयी।

उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा तकनीकी नवाचार एवं पारदर्शिता को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत लखनऊ जनपद के चयनित परीक्षा केन्द्रों पर

परीक्षा समाप्ति के तत्काल बाद परीक्षार्थियों द्वारा प्रयुक्त ओएमआर उत्तर पत्रकों की स्कैनिंग परीक्षा कक्ष में ही करायी गयी। स्कैनिंग प्रक्रिया अभ्यर्थियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई तथा स्कैन डाटा को तत्काल सुरक्षित करने की कार्यवाही भी सुनिश्चित की गयी। सम्पूर्ण प्रक्रिया की निगरानी भी आयोग के एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से की गयी। आयोग अध्यक्ष ने जानकारी दी कि 09 मई की लिखित परीक्षा में कुल 89,766 (38.04 प्रतिशत) परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जिनमें महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 34.89 प्रतिशत एवं पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 42.26 प्रतिशत रही। वहीं 10 मई की लिखित परीक्षा में कुल 1,03,168 (45.12 प्रतिशत) परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जिनमें महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 41.92 प्रतिशत तथा पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 48.08 प्रतिशत रही।

इस प्रकार 9 एवं 10 मई को आयोजित लिखित परीक्षा में कुल 1,92,934 (41.53 प्रतिशत) परीक्षार्थी उपस्थित रहे। डॉ. प्रशांत कुमार ने परीक्षा के संचालन के लिए सम्बन्धित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग की सराहना करते हुए सभी अभ्यर्थियों, केन्द्र व्यवस्थापकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आखिर 9 महीनों में क्या कर लेंगे ये मंत्री ?

अखिलेश यादव ने योगी मंत्रिमंडल विस्तार पर कसा तंज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को योगी मंत्रिमंडल विस्तार पर तंज कसते हुए कहा है कि जब 9 साल में भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के लिए कुछ नहीं कर सकी तो आखिरी के 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे? भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी में बढ़ाकर सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। ये भी वही करेंगे। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, अत्याचार चरम पर है। पीडीए के साथ अन्याय हो रहा है। जनता त्रस्त है। विकास कार्य ठप्प है। भाजपा सरकार एक तरफ सरकारी बजट की लूट कर रही है तो दूसरी तरफ जनता की जेब काट रही है।

उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में पानी की टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार को सहन नहीं कर पा रही है। लगातर टंकिया गिर रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग बर्बाद हो गया है। कमीशनखोरी और मुनाफाखोरी से मंहगाई, भ्रष्टाचार और तेजी से बढ़ रहा है। इस सरकार में वृक्षारोपण भी भ्रष्टारोपण साबित हुआ है। इसी तरह स्मार्ट मीटरों के जरिए भाजपा प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की जेब से पैसा निकाल कर उद्योगपतियों की जेबों में डाल रही है। भाजपा उत्तर प्रदेश की जनता को चौतरफा लूट रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नौकरियों में आरक्षण का घोटाला कर रही है। हक और अधिकार छीन रही है। भाजपा समाजवादी पार्टी के पीडीए से घबराई हुई है। पीडीए समाज भाजपा की चाल को समझ रहा है। पीडीए एकजुट होकर भाजपा की हर साजिश और षड्यंत्र को परास्त करेगा। सपा सरकार बनने पर पीडीए को हक, सम्मान और न्याय मिलेगा। प्रदेश का विकास होगा। गरीबों का मुफ्त इलाज होगा। केजी से पीजी तक बेटियों की शिक्षा मुफ्त होगी। उन्होंने कहा कि वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार में तो इनका कोई काम है नहीं। उधर से पर्ची आएगी, यहां तो सिर्फ.पढ़ी जाएगी। भाजपा राज में वैसे भी सीएम का मतलब बस यही रह गया है। करियर एंड मैसेजर!

उन्होंने कहा कि वैसे जनता पूछ रही है कि फिल्म सबसे आगे बैठकर देखेंगे या पीछे बैठकर? जनता का अनुरोध है कि फिल्म ध्यान से देखियेगा, हो सकता है कर्मफल-कंसफल का सिद्धांत समझकर कुछ जागरण हो जाए और कुछ अच्छा बदलाव भी।

हम तो यही मानते हैं कि मूल रूप से व्यक्ति नहीं उसका लालच-लोभ ही बुरा होता है, जो धीरे-धीरे उसका दुराचरण बन जाता है। बुराई इंसान को और बुरा बनाती जाती है। इसके विपरीत ये भी सच है कि जब व्यक्ति स्वार्थ को छोड़कर परमार्थ के मार्ग पर चल निकलता है तो सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है, वो मानवता के लिए सार्थक साबित हो सकता है।

अखिलेश ने जोसेफ विजय को मुख्यमंत्री बनने पर दी बधाई

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा है कि केवल पंथ-निरपेक्ष सरकारें ही सच्चे लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो सभी नागरिकों के लिए स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के सिद्धांतों तथा संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने के संकल्प पर आधारित होती हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि हम आशा करते हैं कि तमिलनाडु की नवनिर्मित पंथ-निरपेक्ष सरकार अपने पूर्ववर्तियों की जनकल्याणकारी योजनाओं की परंपरा को और आगे बढ़ाएगी। अखिलेश यादव ने तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री के रूप में जोसेफ विजय चंद्रशेखर को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सार्थक और जन-जन को समर्पित सक्रिय नेतृत्व की कामना की।

शीशम के पेड़ से लटकता मिला वृद्ध महिला का शव

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय क्षेत्र के गांव हीरा खेड़ा निवासी एक महिला का शव गांव के बाहर पेड़ से लटकता मिला है। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव निवासी महिला हेमवती पत्नी स्वर्गीय दलपति उम्र लगभग पैंसठ वर्ष दो दिन से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजन उसकी खोजबीन कर रहे थे। रविवार को गांव से बाहर एक शीशम के पेड़ से हेमवती का शव लटकता मिला। जिसकी जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नगद रुपए व गहने लेकर रहस्य मय ढंग से किशोरी हुई लापता

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी पिता ने थाने में तहरीर देकर कहा कि मेरी नाबालिक पुत्री आयु लगभग 15 वर्ष को बहला फुसला कर ग्राम सैदपुर थाना अचलगंज निवासी विकास पुत्र सजीवन लेकर चला गया है जिसमें मेरी पुत्री घर में रखे नगद ?40000 सोने के कान की बाली सोने की लॉकेट चांदी की पायल व अन्य सभी सामान लेकर गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रदान कर दिया

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। अज्ञात कारणों के चलते एक अधेड़ ने अपने ही घर में फंदे से लटककर मौत को गले लगा लिया घटना के बाद परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्यवाही के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। बांगरमऊ थानाक्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी कन्हैयालाल 50 वर्ष पुत्र द्वारिका गांव में ही पान मसाला व चाय पकौड़ी की दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण कर रहा था रविवार की सुबह घर में ही फंदे पर उसका शव लटकता पाया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के कुल 96,313 वादों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। यह लोक अदालत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित की गई थी। लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा-प्रथम की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम जनपद न्यायालय उन्नाव के केंद्रीय हॉल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अनिल कुमार शुक्ला, अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत एवं पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रामायण शर्मा सहित कई न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। अपर जिला जज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, कर्मचारी और पराविधिक स्वयंसेवक भी मौजूद थे। जनपद न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ करते हुए अधिक से अधिक मामलों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि लोक अदालतें लोगों को त्वरित, सरल और कम खर्च में न्याय दिलाने का एक प्रभावी माध्यम हैं। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पांच मामलों का निस्तारण करते हुए कुल 50 लाख 97 हजार 417 रुपये का प्रतिकर (मुआवजा) अवार्ड किया गया। बैंक रिकवरी के 662 मामलों में छह करोड़ 60 लाख 18 हजार रुपये की अदायगी तय की गई। बीएसएनएल और विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से संबंधित 50 मामलों में तीन लाख 32 हजार 500 रुपये की धनराशि जमा कराने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त, राजस्व विभाग के 53,636 मामलों का निस्तारण किया गया। विद्युत विभाग से संबंधित 32,782 प्री-लिटिगेशन मामलों का भी समाधान कराया गया। परिवार न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के 18 मामलों और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने छह वैवाहिक प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण किया। राष्ट्रीय लोक अदालत का एक महत्वपूर्ण पहलू वैवाहिक विवादों से जुड़े 33 दंपतियों का पुनर्मिलन रहा। इन दंपतियों ने आपसी सुलह-समझौते के आधार पर एक साथ रहने का फैसला किया। सभी दंपतियों ने एक-दूसरे को माला पहनाकर भविष्य में प्रेम और सौहार्द के साथ जीवन बिताने का संकल्प लिया और अपनी कानूनी लड़ाई समाप्त कर दी। इस प्रकार पूरे आयोजन में कुल लगभग 96 हजार 313 मामलों का निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया गया। न्यायिक अधिकारियों ने इसे जनसामान्य को शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

जामुन के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव अजगैन कोतवाली क्षेत्र के हरचंदपुर गांव में रविवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नहर किनारे जामुन के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोषमार्टम के लिए भेज है। हरचंदपुर निवासी विजय (45) पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल रविवार को गांव के बाहर नहर किनारे लगे जामुन के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे ने परिजनों की मदद से शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक शादीशुदा था और पेंटिंग का काम करता था। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति-पत्नी के 17 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 04, परिवार परामर्श केन्द्र से 03, थाना औरास व थाना सोहरामऊ से 02-02, थाना अचलगंज, थाना गंगाघाट, थाना अजगैन, थाना बांगरमऊ, थाना कोतवाली सदर व थाना आसीवन से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में डॉ0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में डा0 मनीष सिंह सेंगर, शिल्पी श्रीवास्तव, साबिहा उमर, संजय चौरसिया, डा0 अबसार अली, डा0 सागीर अहमद व सहयोगी अंकित रघुवंशी पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक महिला हेल्पडेस्क संतोष कुमारी सिंह, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, उप निरीक्षक मिथलेश वर्मा व परिवार परामर्श केनद्र टीम व सभी थानों की महिला हेल्पडेस्क टीम का विशेष योगदान रहा।

बोलोरो ने बाइक सवार को मारी टक्कर, पिता पुत्र व पुत्री घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर एक बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पिता, पुत्र और पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया थाना क्षेत्र के गांव भिटवां निवासी मुनव्वर (50) अपने पुत्र असद (13) और पुत्री तंजीम (10) के साथ बाइक से जा रहे थे। वे रविवार दोपहर करीब 12 बजे हरदोई के बालामऊ में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। आसीवन थाना क्षेत्र के मुशीराबाद गांव के पास बोलेरो चालक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पीआरवी पुलिस और उपनिरीक्षक हीरालाल रावत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को सरकारी वाहन से मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद, डॉक्टर उमर फारूक ने तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही रस्सी के सहारे बांधे गए तार कर रहे बड़ी घटना का इंतजार

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। तहसील बीघापुरक्षेत्रके अंतर्गत भगवंत नगर पवार हाउस का है पूरा मामला आदर्श नगर पंचायत भगवंत नगर के वार्ड नं-3 असई खेड़ा में विद्युत विभाग की आपराधिक लापरवाही सामने आई है। जहां लगभग एक साल पहले आंधी में गिरा विद्युत पोल आज तक जमीन पर ही पड़ा सड़ रहा है, और हैरानी की बात तो ये है कि किसी भी सभासद या जिम्मेदार विद्युत विभाग के किसी भी अधिकारी को इसकी सुध लेने की फुर्सत नहीं मिली।

आंखों के सामने हो रहे मौत के इस तमाशे को तस्वीरें खुद ही बयां कर रही हैं। विद्युत तार को महज एक मामूली रस्सी के सहारे पेड़ से बांधकर छोड़ दिया गया है। जमीन पर पड़ा पोल और हवा में झूलता मौत का फंदा हर पल एक बड़े हादसे को दावत दे रहा है। पावर हाउस के सक्षम अधिकारी अउ में बैठ कर आनंद ले रहे है वहीं जनता की जान के साथ खिलवाड़ होते देख रहे हैं, पर उनकी जुबान पर ताला लगा है।

जब कि किसानों पर भारी खतरा मंडरा रहा असई खेड़ा किसान बाहुल्य इलाका है। यहां हर घर के बाहर गाय, भैंस, बकरी बंधी रहती हैं। बच्चे भी दिनभर आसपास खेलते रहते हैं। जरा सोचिए, अगर ये रस्सी टूटी तो? एक पल में कई घरों के चिराग बुझ जाएंगे। कई मवेशी पलभर में मर जाएंगे। लेकिन जिम्मेदारों को शायद किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है। जनता द्वारा कई सारे सवाल भी उठाए जा रहे

1. क्या विद्युत विभाग किसी की मौत के बाद ही जागेगा?

2. वार्ड के सभासद को क्या सिर्फ वोट के समय ही जनता दिखती है?

3. एक साल में कोई अफसर मौके पर क्यों नहीं आया?

ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर 7 दिन में पोल खड़ा कर तार दुरुस्त नहीं किए गए तो पावर हाउस का घेराव किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग और नगर पंचायत की होगी।

मिट्टी खनन कर रहे ट्रैक्टर बिना कार्रवाई थाने से छोड़ा, वीडीयो वायरल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन कर रही टैक्टर ट्राली व लेबलर को दरोगा ने थाने लाकर छोड दिया। जिसका वीडीयो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि आपका अपना अखबार अमन लेखनी वायरल वीडियो की पुष्टि नही करता है मिली जानकारी के मुताबिक बिहार थाना क्षेत्र के न्यौती में अवैध खनन कर रही ट्रैक्टर ट्राली व लेबर को बिहार थाना प्रभारी के अवकाश में होने से चार्ज पर रहे दरोगा केके सिंह गुरूवार को पकडकर थाने ले आये थे। थाने लाकर दरोगा केके सिंह ने थोडी देर बाद ट्रैक्टर ट्राली व लेबर छोड दिया। जिसका वीडीयो फोटो किसी ने वायरल कर दिया। बिहार थाना प्रभारी राहुल सिंह नेबताया कि वह छुट्टी पर थे। अपने खेत में थाना क्षेत्र के न्यौती निवासी किसान देवी बक्स सिंह पुत्र शिवबरन सिंह मिट्टी निकलवा रहे थे। जिसकी अनुमतिपहले से प्राप्त की गयी है। दस ट्राली मिट्टी की अनुमति दिखाने पर चार्ज पर रहे दरोगा केके सिंह ने उसे छोड दिया था।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र निवासी युवक की संदिग्ध मौत के बाद परिजनों द्वारा बिना कानूनी कार्यवाही के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना को लेकर लोगो में चर्चा होती रही। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव दसगवा में रविवार की सुबह 30 वर्षीय सत्यिका पुत्र रमेश की मौत का मामला प्रकाश में आया जिसमें परिजनों द्वारा किसी बीमारी आदि से मौत होने की चर्चा करते हुए बिना किसी कानूनी कार्यवाही के क्षेत्रीय गंगा तट ले जाकर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। जबकि ग्रामीणों द्वारा आशंका जताते हुए चर्चा हो रही है कि युवक ने फंदे से लटककर मौत को गले लगा लिया। घटना के बाद मृतक परिजनों में कोहराम मचा रहा।

मवेशी से टकराए बाइक सवार पिता पुत्र, इलाज के दौरान पिता की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में शनिवार की रात उन्नाव हरदोई मार्ग पर बाइक सवार पिता पुत्र अचानक सामने आ गए मवेशी से टकरा कर गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान अधेड पिता की मौत हो गयी अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए भेज दिया रविवार पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कोरारी कला गांव निवासी मेवा लाल लोध 55 शनिवार मझले बेटे सुनील के साथ छोटे बेटे राहुल की ससुराल सदर कोतवाली क्षेत्र के सौतियन खेडा गांव बहू सोनी के भाई अनीस की शादी में शामिल होने के लिए गए थे जहां से देर रात पिता पुत्र वापस घर लौट रहे थे तभी डीहा गांव के पास अचानक मवेशी सामने आ गया जिससे बाइक टकरा जाने से दोनों गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान पिता मेवा लाल की मौत हो गयी मृतक के चार पुत्र सुधीर, सुनील, राहुल, दिलीप दो पुत्रियां रमाकांती व रामश्री सभी की शादी हो चुकी है पत्नी रामपति पति की मौत से आहत है इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना पर शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया रविवार पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आरोग्य मेला बना मजाक, घर बैठ डाक्टर कर रहे ड्यूटी

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। सीएचसी क्षेत्र के अंतर्गत संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेला स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आया। क्षेत्र के खानपुर सुरौली और संदाना पीएचसी में सुबह 11 बजे तक ताला लटका रहा, जिससे इलाज और दवा लेने पहुंचे मरीजों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आरोग्य मेला योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन हसनगंज क्षेत्र में जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मियों की उदासीनता के चलते मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। खानपुर सुरौली पीएचसी में डॉक्टर शैलेंद्र, फार्मासिस्ट और एलटी की तैनाती होने के बावजूद आरोग्य मेले में कोई भी स्वास्थ्यकर्मी समय पर नहीं पहुंचा। गांव निवासी रामू पुत्र भिखारी लाल और रामलाल पुत्र प्रसादी सुबह करीब 8 बजे से बुखार की दवा लेने के लिए अस्पताल परिसर में बैठे डॉक्टरों का इंतजार करते रहे, लेकिन अस्पताल का गेट नहीं खुला। काफी देर इंतजार करने के बाद दोनों मरीजों को बिना इलाज और दवा के ही वापस लौटना पड़ा। वहीं संदाना पीएचसी में भी हालात बदतर रहे। अस्पताल के मुख्य गेट पर ताला बंद देखकर आदमपुर भासी निवासी चंद्रशेखर द्विवेदी, रामपाल विश्वकर्मा, अरुण और अजीत मायूस होकर वापस लौट गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आरोग्य मेले के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं, तब भी अस्पतालों में डॉक्टर और कर्मचारी समय से नहीं पहुंच रहे हैं। इससे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. नितिन श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पीएचसी पर ताला बंद रहने की जानकारी मिली है। संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा तथा कार्रवाई के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) को पत्र भेजा जाएगा।

रास्ते से युवती को खींच कर घर के अंदर की छेड़खानी

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी पिता ने थाने में तहरीर देकर कहा कि सायं काल मेरी बेटी पड़ोस की दुकान पर चाय की पत्ती लेने गई तभी जाते समय रास्ते में रोकर गांव के ही दीपक उर्फ गोलू अंकित अरुण अंश उर्फ छोटू पुत्र गण गया प्रसाद तथा संध्या पत्नी गया प्रसाद मीना पत्नी गोलू उर्फ दीपक ने मारा पीटा बुरी नीयत के से अरुण ने पुत्री को घर के अंदर खींच लिया तथा गोलू ने कपड़े फाड़ दिए पुत्री के चिल्लाने पर मेरी पत्नी वहां पहुंची तो उपरोक्त सभी लोग एक राय होकर मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए लात घुसो डंडों से मेरी पत्नी को भी पीटने लगे तथा अरुण व दीपक ने अपने हाथ में लिए डंडों से पीटना शुरू कर दिया जैसे मेरी पत्नी का दाया हाथ टूट गया और हड्डी टूट कर बाहर आ गई आंख में भी गंभीर चोट आई जिससे दिखाई नहीं दे रहा उक्त घटना का शोर गुल सुन कर गांव के ही लालता प्रसाद पुत्र ब्रह्मा तथा गंगा दुलारी पत्नी जिया लाल सहित बहुत लोगों ने जाकर बीच बचाव किया सभी दबंग व्यक्ति धमकी दे रहे हैं कि अगर शिकायत किया तो दोबारा जान से ही मार डालेंगे और तुम्हारी बेटी के आज कपड़े फाड़े हैं दोबारा इज्जत लूट लूंगा और सफेद रंग की गाड़ी सेधमकी देते हुए चले गए दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार छात्रा घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर रविवार को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार बीएससी की छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने घायल छात्रा को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुरसठ कस्बे के मोहल्ला फाटक निवासी शहूर की 18 वर्षीय पुत्री सना अपने भाई तैयब के साथ हैदराबाद स्थित एक डिग्री कॉलेज में बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षा देने गई थी। परीक्षा देकर वापस घर लौटते समय उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर कस्बा हैदराबाद के रामनगर चौराहा के पास यह हादसा हुआ। सना बाइक पर पीछे बैठी थी। टक्कर के बाद सना गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां डॉक्टर उमर फारूक ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

उखाड़ दिया सरकारी खड़ंजा ग्रामीणों में आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खंड नवाबगंज की अजगैन ग्राम पंचायत के मजरा जंगपुर में सरकारी खड़ंजा उखाड़े जाने का मामला सामने आया है। गांव में बना खड़ंजा उखाड़कर फेंक दिए जाने से जहां आवागमन बाधित हो गया है, वहीं पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच पंचायत प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब सात माह पूर्व गांव में सरकारी धन से खड़ंजा निर्माण कराया गया था। आरोप है कि गांव के ही नट बिरादरी के गया और उसके परिवार के लोगों ने खड़ंजा खोदकर उखाड़ दिया और ईंटें किनारे फेंक दीं। इससे रास्ता खराब हो गया और लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद भी न तो ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे और न ही ग्राम विकास अधिकारी ने कोई कार्रवाई की। वहीं अजगैन कोतवाली में भी अब तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है,। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस मामले में ग्राम प्रधान पति रेशु तिवारी ने बताया कि गांव में करीब सात माह पहले खड़ंजा बनवाया गया था, जिसे गया और उसके परिवार के लोगों ने उखाड़ दिया है। उन्होंने इसे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटना बताते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं दूसरी ओर गया और उसकी पुत्रवधू रूबी ने अलग पक्ष रखते हुए आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने जबरन उनकी निजी जमीन पर खड़ंजा लगवा दिया था। उनका कहना है कि कई बार विरोध करने के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी गई, जिसके चलते उन्होंने खड़ंजा हटाया। ग्राम विकास अधिकारी प्रदीप यादव ने मामले की जानकारी न होने की बात कही है। हालांकि गांव में सरकारी निर्माण को लेकर शुरू हुआ यह विवाद अब प्रशासनिक लापरवाही और जमीन के अधिकार के मुद्दे पर भी चर्चा का विषय बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा रास्ते की समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की है।

प्रशिक्षण पर एक विशेष गोष्ठी का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस लाइन सभागार में रविवार को रिक्रूट आरक्षियों के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में जनपद के विभिन्न थानों में नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों को आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी संसाधनों और जनसंपर्क से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने सैनिक सम्मेलन के तहत आयोजित इस गोष्ठी की अध्यक्षता की। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह और क्षेत्राधिकारी लाइन विनी सिंह भी उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के महत्व और फील्ड ड्यूटी के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण सत्र में सबसे पहले 'यक्ष' ऐप के संचालन और उसके उपयोग पर जानकारी दी गई। रिक्रूट आरक्षियों को समझाया गया कि इस ऐप के माध्यम से डेटा फीडिंग, बीट संबंधी सूचनाएं अपलोड करने और अपराध नियंत्रण के लिए त्वरित सूचनाओं का आदान-प्रदान कैसे किया जा सकता है। अधिकारियों ने पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीक के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, बीट बुक के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीट प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए बीट बुक का उचित रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। रिक्रूट आरक्षियों को संवेदनशील स्थानों की जानकारी, अपराधियों के रिकॉर्ड और क्षेत्र भ्रमण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत भी एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं से प्रभावी संवाद स्थापित करने, उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देने और एंटी रोमियो स्क्वॉड की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया अपराध, फिशिंग और यूपीआई फ्रॉड जैसे मामलों की पहचान और रोकथाम के उपाय भी बताए गए। अधिकारियों ने साइबर हेल्पलाइन 1930 के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया।

देश के पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। इन चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। जाहिर तौर पर विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। स्पष्ट रूप से कहें तो भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विस चुनाव : ध्रुवीकरण बना अहम फैक्टर

विश्लेषण

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है। केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। वर्तमान चुनाव परिणामों का पहला स्पष्ट संदेश तो यह है कि भारतीय राजनीति में 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का प्रभाव कम हो गया है। अब 'एम' पर 'एच' हावी हो रहा है। कम से कम पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव परिणाम तो इसकी ओर सीधा इशारा कर रहे हैं। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे बताते हैं कि हिंदू वोटों के एकीकरण ने 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के प्रभाव को तेजी से बेअसर किया है।

हिन्दू वोटों में एकजुटता

बीजेपी विरोधी पार्टियों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और डीएमके की हिंदू-विरोधी नीतियों और बयानों ने इस भावना का तेजी से प्रचार-प्रसार किया है। पहले हिंदू मतदाता बंटे हुए थे, लेकिन समय के साथ वे बीजेपी के पीछे एकजुट हो गए। इस एकजुटता ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में बीजेपी की जीत में योगदान दिया है, जहां कभी 'एम-वाई' फैक्टर निर्णायक भूमिका निभाता था। असम में बीजेपी की हैट्रिक जीत ने हिंदू एकीकरण को और मजबूत किया है।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने लगातार अपना जनाधार बढ़ाया है, जिससे वामपंथी और कांग्रेस हाशिए पर चले गए हैं। लंबे समय से पश्चिम बंगाल की राजनीतिक प्रवृत्ति, गैर-बीजेपी दलों के बीच मुस्लिम

समुदाय के प्रति झुकाव की रही है। इसमें 35 वर्षों का वामपंथी शासन और फिर पिछले 15 वर्षों में सत्तारूढ़ रही ममता बनर्जी की टीएमसी का है। असम और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणाम स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि हिंदू विरोधी नीतियां राजनीतिक रूप से अब उलटी पड़ सकती हैं।

टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस

तमिलनाडु में भी जिस डीएमके ने हिंदू-विरोधी रुख अपनाया, उसको जनता ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 2026 के चुनावों के दौरान एक्टर विजय की नवगठित पार्टी टीवीके ने इस तरह की छवि से परहेज किया और नतीजे बताते हैं कि उनकी पार्टी को हिंदुओं के सभी वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। सुपरस्टार विजय के नेतृत्व वाली टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस पारंपरिक पार्टियों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु के नतीजों का स्पष्ट संदेश है कि अगर स्थापित पार्टियां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पातीं तो मतदाता बिना किसी राजनीतिक बोझ के नए दलों का समर्थन करने में कोई झिझक नहीं करेगा। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन का सत्ता विरोधी लहर का फायदा न उठा पाना और एक नई राजनीतिक ताकत के हाथों अपनी पकड़ खोना, गंभीर आत्मनिरीक्षण का विषय है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन और तमिलनाडु में एमके स्टालिन जैसे नेताओं की चुनावी हार के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि अब दिग्गजों के युग का अंत हो गया है और जनता राजनीतिक प्रभुत्व को नहीं मानती।

वंशवादी राजनीति की धारणा

बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी या उदयनिधि स्टालिन जैसे नेताओं का अगर उदय होता भी है तो ये दोनों वंशवादी राजनीति की धारणा को ही और मजबूत करेंगे। ऐसी स्थिति में राज्यों में राजनीतिक स्थिरता को दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बीजेपी में हिमंता बिस्वा सरमा और शुभेंदु अधिकारी जैसे नेताओं का बढ़ता कद विपक्ष के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सरमा पूर्व कांग्रेस नेता हैं और शुभेंदु अधिकारी पूर्व टीएमसी नेता। इन दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में अपनी छवि बदली। इस नीति का अनुसरण कई अन्य विपक्षी नेता भी कर सकते हैं जो वंशवादी राजनीति और अपनी पार्टियों के हिंदू विरोधी रुख के बोझ तले दबे हुए हैं। जाहिर तौर पर इससे विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

आगे क्या

2027 : में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव होंगे।

2028 : में पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम में चुनाव होंगे।

2029 : में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

पार्टियों में अंदरूनी तनाव उजागर

केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। 2027 में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं। 2028 में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम में नई सरकार चुनी जाएगी। 2029 में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

माताओं की हिस्सेदारी को मिले मान-सम्मान

मदर्स डे

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

माताओं के हिस्से स्नेह ही नहीं, संघर्ष भी आता है। इस भूमिका को जीते हुए अधिकतर स्त्रियां भावनात्मक धरातल पर उलझनों का सामना करती हैं। तकनीक और बदलती जीवनशैली ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सतही स्तर पर देखें तो आज के दौर की मां का जीवन और जद्दोजहद आसान होती प्रतीत होती हैं, पर वास्तविक परिप्रेक्ष्य में उनकी उलझनें बढ़ी हैं। कामकाजी माताओं का बढ़ते आंकड़े और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने परवरिश के मोर्चे पर उनकी आपाधापी में इजाफा ही किया है। वस्तुतः, मिलेनियल मांओं की उलझनें सबसे अधिक हैं। ज्ञात हो कि 1981–1996 के बीच जन्मी महिलाओं की यह पीढ़ी मातृत्व के मोर्चे पर आधुनिक तकनीक को साधने के साथ ही परंपरागत जीवन की डोर भी थामे हुए है। डिजिटल युग की पहली अभिभावक पीढ़ी का हिस्सा कही जाने वाली ये माताएं तकनीकी कौशल, परिवेश के प्रति सजग और बच्चों के पालन-पोषण के मोर्चे पर जागरूक दृष्टिकोण अपनाती हैं। माताओं की इस पीढ़ी के लिए बच्चों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है।

डिजिटल पीढ़ी की ये माताएं बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को भी प्राथमिकता देती हैं। चिंतनीय यह है कि गहरी भावनात्मक समझ रखने वाली मिलेनियल माताएं स्वयं थकान और उलझनों से जूझ रही हैं। टॉकर रिसर्च द्वारा 'इट्स ए फैमिली थिंग' के साथ मिलकर 2 हजार अमेरिकी महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि इसमें से लगभग आधी मिलेनियल माताएँ स्वयं को मानसिक रूप से टूटा-थका हुआ और असंतुष्ट पाती हैं। वहीं 19 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें असंतोष और नाराजगी महसूस होती है। 40 फीसदी माताओं ने कहा कि अच्छे से घर और दूसरे दायित्व संभालने पर भी उन्हें श्रेय नहीं मिलता। घर-परिवार में मांओं की भागदौड़ और भागीदारी को न समझने की स्थितियां दुनिया के हर समाज में एक सी हैं। यही वजह है कि इस अध्ययन के परिणाम गौर करने योग्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि एक साथ कई भूमिकाएं निभा रहीं माताओं की इस पीढ़ी के जिम्मेदारियों का बोझ कई मोर्चों पर थका रहा है। शिक्षित सजग कामकाजी माताएं हों या तकनीक-सामाजिक माहौल को पहले से बेहतर समझने-अपनाने वाली गृहिणियां, परवरिश के हर पहलू पर खरा उतरने को प्रयासरत हैं। ऐसे में जरूरी है कि समाज और परिवार में उनकी इस महती भूमिका को मान मिलना चाहिए। माताओं के स्वास्थ्य चिंताओं और मातृत्व से जुड़ी जद्दोजहद को समझना चाहिए। नई पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की परिवार ही नहीं समाज निर्माण में रेखांकित करने योग्य भूमिका है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2026 के लिए मातृ दिवस थीम 'राष्ट्र के मूक वास्तुकार' है। यह विषय सही मायने में माताओं के माताओं देश की भावी पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की विशेष भूमिका की ओर ध्यान खींचता है। उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने और मौन ताकत को समझने पर केंद्रित है। ऐसे में माताओं की शक्ति, प्रेम और बलिदान का उत्सव मनाने वाल यह दिन पीढ़ियों को आकार देने वाले स्नेहमयी नेतृत्व की संघर्षशील भूमिका को समझने का संदेश भी लिए है। भारत के सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में मातृत्व की जिम्मेदारी के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ीं कई परेशानियां उनके हिस्से आती हैं। प्रसवोत्तर अवसाद से लेकर शारीरिक व्याधियां तक घेर लेती हैं।

तकलीफदेह है कि गांवों से लेकर महानगरों तक मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से उपजी भावनात्मक टूटन के दौर में भी अपनों का सहयोग नहीं मिलत। सहयोग सामंजस्य की कमी भी एक वजह है कि सिंगल चाइल्ड वाले परिवार बढ़ रहे हैं। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वे के मुताबिक 35 फीसदी कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार हमारे देश में करीब 72 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी दे दूरी बना लेती हैं। कार्यरत महिलाओं की बड़ी संख्या का आयुवर्ग परिवार बनाने वाला ही होता है। असल में देखा जाए तो मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने वाली महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का अहम हिस्सा हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह भागीदारी बहुत मायने रखती है। कुछ समय पहले हुए अध्ययन के अनुसार मां का काम किसी नौकरी में करने वाले काम के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा होता है। यह अध्ययन कहता है कि एक मां बच्चे की देखभाल में 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करती है। हर दिन घंटों मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से भावनात्मक टूटन और थका देने वाली दिनचर्या में अपनों का सहयोग बेहद आवश्यक है। भावी नागरिकों का भविष्य बनाते हुए देश को गढ़ने वाली माताओं के प्रति सराहना भरा भाव और अपनों का संबल जरूरी है। राष्ट्र के मूक वास्तुकारों के रूप में उनकी भागीदारी बहुत गंभीरता से समझी जानी चाहिए।

बंगाल में संगठनात्मक स्थिरता बनेगी भाजपा के लिए चुनौती

चिंतन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हाल में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों में जिन तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, उनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल रहा। सत्ता प्राप्त कर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी को उसका बहु प्रतीक्षित परिणाम मिला, वहीं दूसरी ओर यह भी तथ्य है कि बंगाल में शासन का रास्ता फिलहाल इतना आसान रहने वाला प्रतीत नहीं होता। बंगाल में कठिन सिर्फ शासन चलाने का नहीं वरन आमूलचूल परिवर्तन का भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए शासन से पहले सबसे पहली चुनौती होगी संगठनात्मक स्थिरता की। हालांकि बीते दस वर्षों में पार्टी ने जमीनी स्तर पर निश्चित ही अपना विस्तार किया है, जिसका परिणाम इस चुनाव में भारी बहुमत के रूप में दिखा है। इस विस्तार के इस पक्ष को भी नकारा नहीं जा सकता है कि इसमें अन्य दलों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस से आए नेताओं की बड़ी भूमिका है। आजादी के बाद से सत्ता चाहे कांग्रेस की रही हो, वामपंथ की या तृणमूल की बंगाल में हमेशा कैडर आधारित राजनीति रही है। ऐसे में भविष्य के लिए यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ चुनावी सक्रियता से आगे बढ़कर अपने शासनकाल में अपना एक मजबूत कैडर तैयार कर पाएगी। बंगाल में अल्संख्यक वोट को साधने के लिए समीकरण बनाना भारतीय जनता पार्टी के लिए दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होने वाली है। चूंकि अभी तक अधिकतर अल्पसंख्यक वोट बैंक विपक्षी पार्टियों के साथ रहा है और आने वाले चुनावों में इसकी निर्णायक भूमिका हो सकती तो भाजपा को यह समझते हुए कि इसे नजरअंदाज करके नहीं चला जा सकता, उस दिशा में रणनीति बनानी होगी। भारतीय जनता पार्टी को यदि व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त करनी है तो उसे अपने राजनीतिक संदेश को केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रखने के बजाय विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जोड़ना होगा। बंगाल में बेरोजगारी, उद्योगों की कमी, पलायन और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहते हैं। ये सारी समस्या जमीनी है जिन्हें वास्तविक समाधान की आवश्यकता है। भविष्य में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। वैचारिक संघर्ष चुनावों के समय तो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण एवं कारगर सिद्ध होता है लेकिन लंबे समय तक सिर्फ इसपर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भाजपा को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है।

एक समय के बाद जनसरोकार केंद्रित राजनीति न होने से किसी भी पार्टी की चाहे कितनी भी मजबूत वैचारिक जड़ें हों, उसे सत्ता से बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। बंगाल में इसका जीता-जागता उदाहरण कांग्रेस के बाद वामपंथ उसके बाद तृणमूल और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के रूप में दिखाई देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण काम जो भारतीय जनता पार्टी को करना पड़ेगा, वह है पार्टी का एक चेहरा स्थापित करना। राजनीतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक बार सत्ता में किसी भी नेता को बिठाना पड़ता है, लेकिन जनता में अपने विश्वास को गहरा करने के लिए एक कोर नेता की जरूरत होती ही है। भले मौजूदा समय में शुभेंदु अधिकारी बंगाल में पार्टी के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हों, लेकिन वह भी पार्टी के कोर कार्यकर्ता नहीं हैं और अभी कुछ ही वर्ष पहले तृणमूल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। इन समस्याओं के अलावा जिन मुद्दों और वादों पर इस बार चुनाव लड़ा गया था, उनको पूरा करने की ओर प्रयास करना भी अत्यंत आवश्यक होगा। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सीमा सुरक्षा और घुसपैठ को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और साथ में यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन सरकार केंद्र सरकार के साथ बांग्लादेश के साथ लगी सीमा पर बाड़ेबंदी को लेकर सहयोग नहीं कर रही। इस वजह से बंगाल में लगातार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना हो रहा है। इस मुद्दे ने इस बार के चुनावों में जनता को जबरदस्त तरीके से प्रभावित भी किया। अब जनता को इस बात की प्रतीक्षा रहेगी कि सत्ता परिवर्तन के बाद इन दोनों बिंदुओं पर सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं। कुल मिलाकर चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है।

असम : वैचारिक मुकाबले ने बदला राजनीतिक परिदृश्य

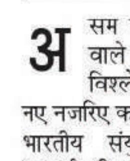

स्थिति

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ साहित्यकार

असम में चुनाव परिणाम, चौंकाने वाले नहीं हैं, लेकिन उनका विश्लेषण चौंकाने वाला है। इस नए नजरिए का सबसे बड़ा कारण अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) का पतन है। इस बार चुनावों से राज्य में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

कांग्रेस ने अधिकतर मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हिंदू वोटों के एकजुट समूह, जिनमें आदिवासी और चाय बागान मजदूर शामिल हैं, उन सभी सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रवृत्ति के पीछे सबसे बड़ा कारण ऑल-इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का पतन था, वह पार्टी जिसने असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को राजनीतिक स्थान दिया, जिन्हें अक्सर 'मिया' कहा जाता है और जो असम की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हैं। कई वर्षों तक, अल्पसंख्यक वोट, विशेषकर निचले असम और बराक घाटी में, कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच बंटे रहे। इस विभाजन ने अक्सर भाजपा को कई सीटों पर और यहां तक कि सहयोगी एजीपी को भी फायदा पहुंचाया। इस बार इस चुनाव में मुस्लिम समुदायों के बीच रणनीतिक मतदान भी काफी देखने को मिला।

कई मतदाताओं का मानना था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है, जिसके कारण उन सीटों पर भी एकजुटता देखने को मिली, जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों को विशेष रूप से मजबूत नहीं माना जाता था। इसी बीच, हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और क्षेत्र की सीमाओं से परे हिंदू वोटों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की। ऊपरी असम, उत्तरी तट और मध्य असम के कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। एक अन्य प्रमुख कारक दरांग और नागांव जैसे जिलों में चलाए गए बेदखली अभियानों का प्रभाव था। असम में हार के बाद गौरव गोगोई ने पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं,

कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची।

मगर उन्हें पूरी स्थिति चुनावों से पूर्व ही समझ में आ जानी चाहिए थी। भाजपा के प्रभामंडल के और मोदी- अमित शाह लहर को जहां कई मुस्लिम मतदाताओं ने भय और असुरक्षा की भावना से देखा, वहीं बहुसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग, विशेष रूप से स्वदेशी असमिया भूमिपुत्रों ने इन्हें मजबूत प्रशासनिक कार्रवाई और भूमि संरक्षण उपायों के रूप में देखा। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों में समानांतर एकीकरण हुआ। मुस्लिम, जिनमें ज्यादातर निचले असम के बंगाली भाषी मुस्लिम शामिल थे, कांग्रेस की ओर आकर्षित हुए और बहुसंख्यक समुदाय के मतदाता भाजपा के पीछे एकजुट हो गए।

एआईयूडीएफ के बारे में बनी धारणा ने भी अहम भूमिका निभाई। कई मतदाताओं का मानना था कि यह पार्टी भाजपा विरोधी वोटों को बांटकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रही है। राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा को दिए गए इसके समर्थन ने इस धारणा को और मजबूत किया। परिणामस्वरूप कई अल्पसंख्यक मतदाताओं ने एआईयूडीएफ का साथ छोड़ दिया और कांग्रेस को समर्थन दिया। 2023 के परिसीमन अभ्यास ने असम के राजनीतिक समीकरणों को भी काफी हद तक बदल दिया। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से पुनर्निर्धारित किया गया कि मिश्रित आबादी वाली सीटों की संख्या कम हो गई और जनसांख्यिकीय रूप से अधिक ध्रुवीकृत निर्वाचन क्षेत्र बन गए। पहले कांग्रेस अल्पसंख्यकों के समर्थन और हिंदू वोटों के एक वर्ग के संयोजन से सीटें जीत लेती थी, लेकिन परिसीमन के बाद, कई सीटें या तो स्पष्ट रूप से बहुसंख्यक-बहुल या मुस्लिम-बहुल हो गईं।

पहले लगभग 35 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा रहता था, लेकिन परिसीमन के बाद मुस्लिम वर्चस्व घटकर लगभग 22 सीटों तक ही सीमित रह गया। अंतिम परिणाम में असम की इस राजनीतिक वास्तविकता में आए बदलाव की झलक दिखी। वैसे भी इससे कांग्रेस मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही प्रतिस्पर्धी बनी रही, जबकि भाजपा ने राज्य के अधिकांश बहुसंख्यक-केंद्रित क्षेत्रों में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया इसलिए 2026 के फैसले ने असम की राजनीति में एक गहरे परिवर्तन को उजागर किया है। धीरे-धीरे समुदाय आधारित चुनावी एकीकरण को रास्ता दे रही है।

तमिलनाडु में नई राजनीतिक-संस्कृति का अभ्युदय

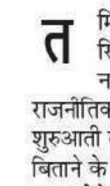

दृष्टिकोण

डॉ. विजेन्द्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु में नए चुनाव परिणाम, सिर्फ सत्ता-परिवर्तन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक नई राजनीतिक-संस्कृति के अभ्युदय से जुड़े हैं। शुरुआती दौर में कांग्रेस के रंग में कुछ वर्ष बिताने के बाद द्रमुक व उससे उपजे कुछ अन्य छोटे-छोटे शिविरों के मध्य ही 58 वर्षों तक इस प्रदेश की राजनीति केंद्रित रही।

यह भी एक विलक्षण सत्य है कि इस प्रदेश में सत्ता के केन्द्र में द्रविड़, फिल्मी-संसार का लम्बी अवधि तक वर्चस्व रहा है। इस बार चुनावों से पहले यही माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना उनके प्रतिपक्षियों के लिए आसान नहीं रहेगा, लेकिन डीएमके ने शासन के पांच साल पूरे करने के बाद अगले चुनाव में भी जीत हासिल की हो, ऐसा दो बार ही हुआ है। इसके अलावा डीएमके ने 2021 का विधानसभा चुनाव जीता था और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले दो साल में ऐसा क्या हुआ? ज्यादा कुछ नहीं, सिवाय इसके कि एआईएडीएमके और कमजोर हो गई। यह विरोध मुख्यतः हिन्दी विरोध की मानसिकता से ही उपजा। यह भी एक विसंगति है कि दक्षिणी-भारत हिंदी प्रचार सभा व दैनिक राजस्थान पत्रिका सरीखे हिन्दी-मीडिया की व्यापक स्वीकार्यता के बावजूद हिन्दी विरोध मतदाताओं के समक्ष मुख्य मुद्दा बना रहा है। ऐसे में सामाजिक स्तर पर एक बदलाव की ओर उन्मुख होता है।

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमजोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई। टीवीके के इस प्रदर्शन के पीछे विजय के वीएमआई फैन क्लब ने गत 15 वर्ष से जमीनी स्तर पर किया। वर्ष 2021 के स्थानीय निकाय चुनाव में भी वीएमआई का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। फिर भी लोगों ने टीवीके जैसी नई पार्टी को जनादेश तो दिया, लेकिन इतनी मजबूती से नहीं कि वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में आ सके और यहीं पर उसकी परीक्षा होगी कि वो शासन को चलाने के साथ-साथ राजनीति करने में कैसे संतुलन बनाती है। ऐसी

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमजोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई।

परिस्थितियों से निपटना किसी नई पार्टी के लिए आसान नहीं होता। इसमें कोई संदेह नहीं कि सत्ता के खेल का सामना करना और उसे खेलना बिल्कुल दूसरी बात है। 14वीं शताब्दी में मुस्लिम सल्तनत और बाद में विजयनगर साम्राज्य का शासन रहा। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने मद्रास प्रेसीडेंसी की स्थापना की।

1916 में गैर-ब्राह्मण हितों की रक्षा के लिए जस्टिस पार्टी बनी। इसने 1921 में पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव जीता। स्वतंत्रता के बाद के दौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पहले 20 वर्षों तक कांग्रेस का एकछत्र राज रहा। ओ.पी. रामास्वामी रेड्डियार आजादी के बाद पहले मुख्यमंत्री बने। बाद में के. कामराज के नेतृत्व में राज्य ने औद्योगिक और शैक्षिक प्रगति की। द्रविड़ राजनीति का उदय (1967 से 2026 तक) 1967 में हिंदी विरोधी आंदोलनों के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जिसके बाद से राज्य में केवल द्रविड़ दलों का ही शासन रहा है।

द्रमुक का शासन : सी. एन. अन्नादुराई पहले द्रविड़ मुख्यमंत्री बने। उनके बाद एम. करुणानिधि ने कई बार सत्ता संभाली। ए.आई.डी.एम.के. का जन्म वर्ष 1972 में हुआ। एम. जी. रामचंद्रन ने अलग होकर अन्नाद्रमुक बनाई। अन्नाद्रमुक ने जे. जयललिता के नेतृत्व में राज्य पर लंबे समय तक शासन किया। दशकों तक सत्ता द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती रही। वर्ष 2021 में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में आई। टीवीके के सामने दो बड़ी बाधाएं हैं। पहली, छोटी पार्टियां- जैसे वीसीके (दो विधायक), सीपीएम (दो विधायक), सीपीआई (दो विधायक), एएमएमके (एक विधायक) और पीएमके (चार विधायक), अभी तक औपचारिक तौर पर अपना रुख साफ नहीं किया है और उनमें से कुछ को वैचारिक मतभेद भी सुलझाने हैं। पीएमके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा रही है, जबकि वीसीके और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हैं। वर्तमान स्थितियां, राजनीतिक स्थिरता की ओर कब लौटेंगी, इसके लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी।

टीवीके का उदय इस बात का साक्षी है कि तमिलनाडु की जनता एक बेहतर विकल्प के तलाश में है। भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

भारत-नेपाल सीमा पर सख्ती से बढ़ी गरीब नेपालियों को परेशानी

इस नियम की आड़ में नेपाली सुरक्षा कर्मियों द्वारा महिलाओं को प्रताड़ित करने का वीडियो हुआ वायरल

नेपाली नागरिकों में नाराजगी, 100 की सीमा बढ़ाकर 5000 नेपाली करने की उठी मांग

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम नियमों को लेकर सख्ती काफी बढ़ गई है। नेपाल सरकार के आदेश पर भारत से नेपाल ले जाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम शुल्क लागू किए जाने से सीमावर्ती नेपाली क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं। इस फैसले के बाद नेपाल के सीमावर्ती नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पहले नेपाल सरकार द्वारा नेपाली नागरिकों को भारत से दैनिक उपयोग के सामान लाने में पर्याप्त छूट दी जाती थी। लेकिन नई सरकार बनने के बाद पुराना नियम सख्ती से लागू कर दिया गया, जिसके तहत मात्र 100 रु0 नेपाली तक के सामान को ही बिना शुल्क ले जाने की अनुमति है। बताया जाता है कि यह नियम करीब 35 वर्ष पहले बनाया गया था, जब 100 नेपाली रुपये की क्रय शक्ति काफी अधिक थी। वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई के बावजूद इस सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सीमावर्ती नेपाली नागरिकों का कहना है कि अब उन्हें रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं नेपाल में कई गुना अधिक कीमत पर खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह प्रभावित हो गया है। खाद्य सामग्री, बच्चों के सामान, दवाइयां और अन्य जरूरी वस्तुओं के दाम अधिक होने से लोगों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सीमा पर तैनात नेपाली सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार को लेकर भी लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नियमों को सख्ती से लागू करने के दौरान कई बार आम नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। पिछले दो दिनों में नेपाली महिलाओं के साथ मारपीट के आरोप भी सशस्त्र बलों पर लगे हैं, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी एक नेपाली महिला, जो अपने छोटे बच्चों के लिए कुरकुरे और चॉकलेट लेकर नेपाल जा रही थी, उसे सीमा पर रोक दिया गया था। इस दौरान महिला के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की चर्चा भी सामने आई थी। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय नेपाली नागरिकों ने नेपाल सरकार से मांग की है कि सीमा पर आम जनता के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा पुराने नियमों में संशोधन कर भारत से सामान लाने की सीमा 100 नेपाली रुपये से बढ़ाकर कम से कम 5000 नेपाली रुपये की जाए। उनका कहना है कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सकेगी तथा दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक और आर्थिक संबंध भी मजबूत बने रहेंगे।

भारत नेपाल सीमा पर एसएसबी ने दो नेपाली तस्करों को दबोचा

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए दो नेपाली तस्करों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में माल जब्त किया है। 59 वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नानपारा के जवानों ने सीमा पर सतर्कता का परिचय देते हुए भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया है। शनिवार की तड़के, सीमा चौकी (बीओपी) सालारपुर के जवानों ने एक विशेष अभियान के तहत दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया और उनके पास से अवैध रूप से नेपाल ले जाया जा रहा भारी मात्रा में सामान जब्त किया। यह कार्रवाई खुफिया शाखा से प्राप्त विश्वसनीय इनपुट के आधार पर की गई। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक (जीडी) चमन सिंह के नेतृत्व में पांच अन्य जवानों की एक विशेष नाका पार्टी का गठन किया गया और सीमा स्तंभ संख्या 680 के निकट (भारतीय क्षेत्र में 50 मीटर अंदर) मोर्चा संभाला गया। सुबह लगभग 04:50 बजे, नाका पार्टी ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को साइकिलों पर भारी बैग लादकर भारत से नेपाल की ओर जाते हुए देखा। जवानों द्वारा रुकने का संकेत दिए जाने पर दोनों व्यक्तियों ने मौके से भागने का प्रयास किया। हालांकि एसएसबी के जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीछा कर दोनों तस्करों को धर दबोचा। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान नेपाल के जिला बर्दिया के रूप में हुई जिसमें पवन कुमार लोध (उम्र 23 वर्ष) पुत्र बद्लू लोध, ग्राम अशापुर, वार्ड नं. आठ, थाना- गुलरिया। अश्वनी कुर्मी (उम्र 29 वर्ष) पुत्र शंकर कुर्मी, ग्राम अशापुर, वार्ड नं. 11, थाना- गुलरिया। तलाशी के दौरान तस्करों के पास से बड़ी मात्रा में घरेलू एवं अन्य सामान बरामद किया गया। जब्त किए गए मुख्य सामानों में 474 छाते, विभिन्न प्रकार के स्टील के बर्तन (टिफिन, पलटा, चाकू, छन्नी आदि), स्टैंड और कूलर फैन, 04 बोरी मटर (लगभग 120 किग्रा), टॉयलेट सीट और 02 साइकिलें शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे इस सामान को भारत के सालारपुर बाजार से खरीदकर मुनाफा कमाने के उद्देश्य से नेपाल ले जा रहे थे। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों और मौके से जब्त किए गए सभी सामानों को आवश्यक विधिक और कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, मिहींपुरवा के सुपुर्द कर दिया गया है। इस संबंध में विभागीय अधिकारी ने बताया कि एसएसबी सीमा पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों और तस्करी को रोकने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और लगातार निगरानी बनाए हुए है।

प्रसव केंद्रों के स्वास्थ्यकर्मियों को मिला गोल्डन मिनट प्रबंधन का प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

- प्रदेशभर के स्वास्थ्यकर्मियों को नवजात पुनर्जीवन का प्रशिक्षण

लखनऊ। नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम के सहयोग से रविवार को प्रदेशभर में नियोनेटल रेससिटेशन प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को वीरांगना अवंतीबाई जिला महिला अस्पताल में सम्पन्न हो गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन महाप्रबंधक (बाल स्वास्थ्य) डा. अजय गुप्ता ने कहा कि नियोनेटल रेससिटेशन प्रोग्राम (एनआरपी) नवजात मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में स्वास्थ्यकर्मियों को जन्म के समय होने वाली श्वासावरोध एवं अन्य जीवन-घातक परिस्थितियों के वैज्ञानिक प्रबंधन में दक्ष बनाता है। प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता होनी चाहिए।

डा. मिलिंद ने कहा कि मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल के निर्देशन में प्रदेश में पहली बार इस स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण आयोजित किया गया है, जिसमें लगभग सभी प्रसव केंद्रों के बाल रोग विशेषज्ञों, लेबर रूम एवं एनबीएसयू के स्टाफ को गोल्डन मिनट के भीतर नवजात पुनर्जीवन का प्रशिक्षण दिया गया। जन्म के बाद करीब 10 से 15 प्रतिशत नवजातों को सांस लेने में कठिनाई होती है। यदि एक मिनट के भीतर सही चिकित्सीय प्रबंधन उपलब्ध हो जाए, तो नवजात मृत्यु के साथ-साथ संभावित शारीरिक एवं मानसिक दिव्यांगता को भी रोका जा सकता है।

सभी 75 जनपदों में मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल एवं जिला महिला अस्पताल सहित कुल 205 प्रशिक्षण केंद्रों पर करीब 6,000 बाल रोग विशेषज्ञों, लेबर रूम एवं एनबीएसयू के स्टाफ को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में डा. सलमान के साथ डा. फैजान, केजीएमयू के रेजिडेंट्स डा. मुकुल एवं डा. रिचा तथा यूपीटीएसयू की नर्स मेंटर कीर्ति ने प्रशिक्षक के रूप में सहयोग किया।

प्रशिक्षण वर्ग की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करें

भाजपा लखनऊ महानगर कार्यालय पर बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा आगामी 16 और 17 मई को अयोध्या स्थित राम सेवकपुरम, राम घाट में आयोजित होने वाले दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के सफल आयोजन को लेकर भाजपा लखनऊ महानगर कैसरबाग कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सम्पन्न हुई। बैठक अध्यक्षता भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने की। बैठक में प्रशिक्षण वर्ग की व्यवस्थाओं, संगठनात्मक जिम्मेदारियों, कार्यकर्ताओं की सहभागिता तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ संगठन को मजबूत करने का कार्य करता है। प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं के व्यक्तित्व विकास, संगठनात्मक दक्षता एवं वैचारिक मजबूती का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पावन भूमि पर आयोजित होने वाला यह प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण वर्ग की सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करें, जिससे कार्यक्रम सफल, अनुशासित एवं भव्य रूप में सम्पन्न हो सके।

बैठक में प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी ओपी श्रीवास्तव कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन की कार्यशैली, विचारधारा एवं कार्यपद्धति को मजबूती प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं के वैचारिक एवं संगठनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बैठक में प्रशिक्षण वर्ग से संबंधित आवास, भोजन, परिवहन, पंजीकरण, अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गईं। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि महामंत्री धनश्याम दास अग्रवाल, सतेन्द्र सिंह, टिंकू सोनकर, भाजपा वरिष्ठ नेता मान सिंह, उपाध्यक्ष सौरभ वाल्मीकि, दीपक शुक्ला, सीता नेगी, पूर्व महामंत्री राम अवतार कनौजिया, मंत्री पंकज सक्सेना, शैलेन्द्र डब्बू, कार्यालय सहमंत्री मयंक बाजपाई, लखविंदर पाल, टीआर जोशी, उत्तम मिश्रा सहित महानगर के अनेक पदाधिकारी सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीबी कन्ट्रोल इम्प्लाइज एसोसिएशन की नयी कार्यकारिणी गठित

लखनऊ। उप्र टी.बी. कन्ट्रोल इम्प्लाइज एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यकारिणी का चुनाव राजकीय टीबी क्लीनिक, राजेंद्र नगर में सम्पन्न हो गया। चुनाव अधिकारी डा. आनंद कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पर्यवेक्षण में सपन्न हुए। इस दौरान निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारी में अध्यक्ष महेंद्र प्रताप, उपाध्यक्ष ललित कुमार, महासचिव दिवाकर वी वी ए गुप्ता, कोषाध्यक्ष अश्वनी कुमार, सचिव धर्मेन्द्र कुमार चुने गये। इन सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल दो वर्ष तक रहेगा।

ल्यूपस ऑटोइम्यून बीमारी : डा. पुनीत

लखनऊ। विश्व ल्यूपस दिवस पर रविवार को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी विभाग ने विभाग से रूमी दरवाजे तक वॉकथॉन निकाला। इस दौरान क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी विभाग के प्रमुख डा. पुनीत कुमार बताया कि ल्यूपस ऑटोइम्यून बीमारी है, इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली खुद के ही अंगों पर हमला करने लगती है। यह रोग त्वचा, जोड़ों, किडनी, फेफड़ों, हृदय और मस्तिष्क समेत शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करती है। ल्यूपस का पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नौ गुना ज्यादा खतरा होता है। 15 से 45 वर्ष की उम्र में इसके होने का जोखिम अधिक होता है। डॉ. पुनीत कुमार व डॉ. मुकेश कुमार मौर्य ने कॉम्प्रिहेंसिव ल्यूपस केयर हैंडबुक का लोकार्पण किया। इस पुस्तिक में मरीजों और उनके परिजनों सरल भाषा में बीमारी, लक्षण, उपचार व अन्य जानकारियां मिलेंगी।

खांसी में खून आना हमेशा टीबी का लक्षण नहीं होता : डॉ. सूर्यकान्त

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की ओर से रविवार को अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में बेसिक ब्रोंकोस्कोपी सर्टिफिकेशन कोर्स एवं हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया गया, इसमें निदेशक मुंबई से इंडियन एसोसिएशन फॉर ब्रोंकोलॉजी की सचिव डॉ. अमिता नेने मौजूद रहीं। विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकान्त ने कहा कि हेमोप्टाइसिस के निदान एवं प्रबंधन में ब्रोंकोस्कोपी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हेमोप्टाइसिस रेस्पिरेटरी मेडिसिन की सबसे महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण आपात स्थितियों में से एक है। उनका व्याख्यान खांसी में खून आने के कारणों की व्यावहारिक पहचान पर आधारित होने के कारण अत्यंत सराहा गया।

राजधानी में मजदूरों नें निकाला मार्च

लखनऊ। नोएडा समेत देश के तमाम औद्योगिक क्षेत्रों के आंदोलनकारी मजदूरों के ऊपर पुलिसिया दमन के विरोध में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में रविवार को ऐक्टू ने चारबाग रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लोको चौकी के सामने बैरीकेडिंग करके रोक लिया जहां आन्दोलनकारियों ने एक घंटे की प्रतिवाद सभा के बाद ए सीपी विकास जायसवाल को 8 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आल इंडिया सेंट्रल काउन्सिल ऑफ ट्रेड यूनियन्स (ऐक्टू) के प्रदेश उपाध्यक्ष का. डा. राजेश सिंह और डा. एस एस जैदी, प्रदेश संगठन मंत्री का. राणा प्रताप सिंह, प्रदेश सहसचिव का. देवानन्द के नेतृत्व में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये हुए सैकड़ों मजदूरों ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री आवास के लिए मार्च किया।

लखनऊ व्यापार मंडल की रिंग रोड व बुद्धेश्वर इकाई गठित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए रविवार को बुद्धेश्वर और रिंग रोड इकाई का गठन किया। इस मौके पर आयोजित चुनाव प्रक्रिया के दौरान संगठन के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा मौजूद रहे। उनकी देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया हुई। जिसमें वोटिंग की गिनती के बाद बुद्धेश्वर इकाई में अध्यक्ष पद पर पिन्टु गुप्ता और वरिष्ठद महामंत्री पद पर अखिलेश यादव विजयी हुए। वहीं रिंग रोड इकाई में अध्यक्ष पद पर मनोज चौरसिया और चेयरमैन के पद पर अंकित पाण्डेय को चुना हुआ। इसके अलावा दोनों इकाई के अन्य पदाधिकारियों को भी चुना गया। इस मौके पर अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि व्यापार मण्डल का चुनाव आपसी भाईचारे एवं लोकतांत्रिक परंपरा का प्रतीक है। संगठन में सभी व्यापारी एक परिवार की तरह हैं और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत किया जाएगा। महामंत्री उमेश शर्मा ने बताया कि लगभग तीन माह पूर्व से सदस्यता अभियान एवं चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई थी। मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव सम्पन्न कराए गए।

व्यापारियों ने अब्दुल रफीक को दी श्रद्धांजलि.... लखनऊ। साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति ने रविवार को शहीद स्मारक पर व्यापारी नेता शहीद अब्दुल रफीक खान की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति के अध्यक्ष वसी उल्ला आजाद ने कहा कि शहीद अब्दुल रफीक खान पूरी जिन्दगी साप्ताहिक बाजार के व्यापारियों को न्याय दिलाने के लिए लड़ते रहे। व्यापारियों के अधिकारों के लिए लड़ते हुए वो शहीद हो गए। उन्होंने कहा कि अब्दुल रफीक खान के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम व्यापारी उन्हीं के दिखाए मार्ग पर चल रहे हैं। इस मौके पर महामंत्री अनिल सक्सेना, मोहम्मद कलीम खान, विनोद कुमार गुप्ता, लक्ष्मण वर्मा, विशाल गुप्ता, रफीक अहमद और मोहम्मद इस्माइल समेत सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

हर बच्चे के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य होना चाहिए

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन का समापन भारत के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि डा. जोसेफ इमैनुएल, सी.आई.एस.सी.ई. बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपनी उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा को बढ़ाया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी ने लीडरशिप सर्कल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और देवी संस्थान द्वारा अपनायी जा रही शिक्षण पद्धति का देखा। अपने संबोधन में पंकज चौधरी ने छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण नींव हैं तथा एक्सीलरेटिंग लर्निंग फॉर ऑल (अल्फा) पद्धति तीव्र एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने वाली अभिनव शिक्षण प्रणाली है।

बता दें कि इस सम्मेलन में देश के 18 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से 2000 से अधिक शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन ने आधारभूत कौशलों के महत्व के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न की, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने से पूर्व अत्यंत आवश्यक हैं।

सम्मेलन में अल्फा शिक्षा पद्धति पर गहन चर्चा एवं विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से छोटे बच्चों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की कार्यप्रणाली और पेशेवर तैयारी पर हुई चर्चा

लखनऊ। ब्रांच ऑफ आईसीएआई (सीआईआरसी) की ओर से यूपी जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के सहयोग से राजधानी में जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संजय कुमार चांधरियावी, उपाध्यक्ष, जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की बतौर मुख्य अतिथि उपस्थिति रही। अपने संबोधन में उन्होंने जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल की कार्यप्रणाली, प्रभावी पैरवी तथा पेशेवर तैयारी के महत्व पर विस्तृत विचार व्यक्त किए।

संतोष कुमार श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य, नरेंद्र कुमार, न्यायिक सदस्य आलोक चोपड़ा, तकनीकी सदस्य, मध्य तथा अरविंद कुमार, तकनीकी सदस्य, (राज्य), जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल लखनऊ बेंच ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में संयुक्त रजिस्ट्रार, सहायक रजिस्ट्रार एवं जीएसटीएटी, लखनऊ के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों को प्रख्यात वक्ताओं सीए अविनाश पोद्दार एवं अधिवक्ता बी. एल. नरसिम्हन ने संबोधित किया। उन्होंने जीएसटी अपीलीय प्रक्रियाएं, अपील का मसौदा तैयार करना, मुकदमेबाजी की रणनीति एवं ट्रिब्यूनल के समक्ष प्रभावी पैरवी से संबंधित व्यावहारिक एवं महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में आईसीएआई के सेंट्रल कॉउंसिल के सदस्य सीए संजीव सिंघल भी मौजूद रहे।

नारी वंदन अधिनियम के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा में लोकसभा में नारी वंदन अधिनियम का विरोध करने पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। 1090 चौराहे से शुरू हुआ यह प्रदर्शन इन्दिरानगर स्थित सपा सांसद आर.के. चौधरी के आवास तक पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने घेराव कर विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन में महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिली तथा महिला सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के समर्थन में जोरदार नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम है और इसका विरोध महिलाओं के अधिकारों एवं सम्मान के खिलाफ है।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रतिनिधि अखिलेश सिंह सहित कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता प्रदर्शन में मौजूद रहे। इस दौरान जिला महामंत्री धीरू पाण्डेय, अंकित गुप्ता, जिला मंत्री मुकेश शर्मा, प्रतिभा सिंह, मंडल अध्यक्ष दल बहादुर सिंह, मोहित तिवारी, महिला मोर्चा पदाधिकारी पूजा सिंह, प्रियंका सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डॉ. विधायक राजेश्वर के अभियान से जनसमस्याओं का हो रहा समाधान

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अर्जुनगंज मंडल के इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड स्थित मलाक, नीलमथा में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित 167वें आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए। डॉ. राजेश्वर सिंह की जनसेवा आधारित कार्यशैली के चलते यह कार्यक्रम जनता और प्रशासन के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस, रोड एवं नाली, आवास योजना (शहरी), आंगनबाड़ी केंद्र, स्ट्रीट लाइट, जलभराव, आयुष्मान कार्ड, स्कूल सौंदर्यीकरण एवं मंदिर में बेंच व हैंडपंप जैसी जनसरोकार से जुड़ी कुल 26 शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 3 समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करते हुए 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवाए गए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को शेष समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश भी दिए। टीएस मिश्रा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 55 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें शुगर, बीपी एवं नेत्र जांच शामिल रही। साथ ही 20 लोगों को चश्मे हेतु चिन्हित किया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास लगातार प्रभावी रूप से दिखाई दे रहे हैं। 181वें बॉयज यूथ क्लब का गठन भी किया गया।

ओवर लोड ट्राली की टक्कर से युवक जख़्मी

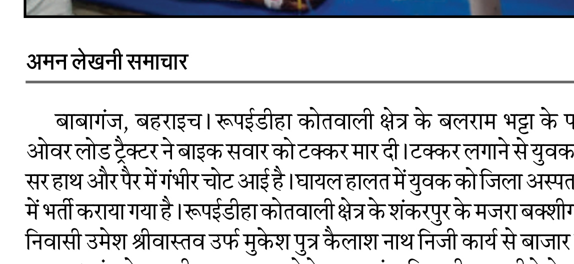

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। रूपईडीहा कोतवाली क्षेत्र के बलराम भट्टा के पास ओवर लोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगाने से युवक के सर हाथ और पैर में गंभीर चोट आई है। घायल हालत में युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूपईडीहा कोतवाली क्षेत्र के शंकरपुर के मजरा बक्शीगांव निवासी उमेश श्रीवास्तव उर्फ मुकेश पुत्र कैलाश नाथ निजी कार्य से बाजार जा रहा था। गांव से कुछ ही दूर बलराम भट्टे के पास पहुंचा कि उसी समय पीछे से आए मकाई लदे ट्रैक्टर ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उमेश सड़क पर गिर गया। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। बाइक सवार युवक कों गंभीर चोट आई है। बेहद नाजुक हालत में स्थानीय लोगो ने एंबुलेंस के जरिए सीएचसी चरदा में प्राथमिक इलाज के बाद डाक्टरो नें हालत गंभीर पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

बेंगलुरु ने मुंबई को हराया

आईपीएल: बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया, क्रुणाल की फिफ्टी, भुवनेश्वर को 4 विकेट

एजेंसी

रायपुर। मुंबई इंडियंस कढछ की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। उसे रविवार के दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया। इस हार के बाद मुंबई की टीम अगले 3 मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकेगी, जोकि प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर चेज किया। टीम ने 8 विकेट गंवा दिए थे। बेंगलुरु की ओर से क्रुणाल पंड्या ने 46 बॉल पर 73 रन की पारी खेली।

वहीं, गेंदबाजी में भुवनेश्ववर कुमार ने 4 विकेट झटके। मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 167 रन का टारगेट दिया है। बेंगलुरु ने रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने बेहद अहम मौके पर तिलक का विकेट लेकर बेंगलुरु को बड़ी सफलता दिलाई। तिलक स्कूप शॉट खेलने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर गए, लेकिन गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर सीधे लेग स्टंप से जा टकराई। तिलक ने 42 गेंदों में 57 रन की शानदार पारी खेली, जिस पर दर्शकों ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। तिलक वर्मा ने दबाव के बीच शानदार बल्लेबाजी करते हुए 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

रसिख सलाम की बैक ऑफ लेंथ गेंद को तिलक ने पॉइंट के गैप में चौके के लिए भेजा। लगातार विकेट गिरने के बावजूद तिलक एक छोर संभालकर खड़े रहे और एक बार फिर मुंबई की पारी को संभालने का काम किया। रोमारियो शेफर्ड ने विल जैक्स को आउट कर मुंबई को बड़ा झटका दिया। ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ गेंद पर जैक्स बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन टाइमिंग सही नहीं हुई और गेंद डीप मिडविकेट की ओर हवा में चली गई। वहां जैकब बेथेल ने आसान कैच पकड़ लिया। जैक्स 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे और मुंबई ने अपना पांचवां विकेट गंवा दिया। रसिक सलाम ने शानदार वापसी करते हुए नमन बोल्ड को बोल्ड कर दिया।

बैक ऑफ लेंथ गेंद पिच से तेजी से स्किड हुई और नमन सही टाइमिंग नहीं कर सके। वे 32 गेंदों में 47 रन बनाकर आउट हुए। मुंबई ने 12 ओवर के बाद 3 विकेट पर 102 रन बना लिए हैं। नमन धीर 39 और तिलक वर्मा 34 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं। इस ओवर में कृणाल पंड्या की गेंद पर एक छक्का समेत कुल 11 रन आए, जिससे मुंबई ने रनगति को फिर तेज करने की कोशिश की। छठे ओवर में तिलक वर्मा को जीवनदान मिला। रसिख सलाम की शानदार स्लोअर गेंद पर तिलक का टॉप एज मिडविकेट की ओर गया, लेकिन सुयश शर्मा आसान कैच नहीं पकड़ सके। गेंद उनके हाथों और पैरों के बीच से निकल गई। इससे पहले ओवर में एक मिसफील्ड भी हुई थी। मुंबई ने 6 ओवर के बाद 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बनाए हैं। नमन धीर और तिलक वर्मा क्रीज पर हैं। तीसरे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने एक ही ओवर में दो विकेट लिए। पांचवीं बॉल पर पहले उन्होंने शानदार नकल बॉल पर रोहित शर्मा को विकेटकीपर जितेश शर्मा के हाथों कैच कराया।

इसके बाद अगली ही गेंद पर सूर्यकुमार यादव को स्लिप में खड़े विराट कोहली ने शानदार लो कैच पकड़कर पवेलियन भेज दिया। भुवनेश्वर ने अपने अनुभव का शानदार नमूना पेश करते हुए रयान रिकल्टन को जल्दी पवेलियन भेज दिया। भुवनेश्वर ने लगातार विकेट-टू-विकेट गेंदबाजी की और पिच की अतिरिक्त उछाल का बेहतरीन इस्तेमाल किया। रिकल्टन बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में टाइमिंग नहीं कर सके और गेंद सीधा मिड-ऑफ पर खड़े रजत पाटीदार के हाथों में चली गई। मुंबई इंडियंस के रेगुलर कप्तान हार्दिक पंड्या आज बेंगलुरु के खिलाफ नहीं खेल रहे हैं। वे पिछले मैच में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

उनकी जगह सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए मैदान पर आए। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। मैच 7.30 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच अब तक 35 मैच खेले गए हैं। फउइ ने 15 और टक ने 19 मैच जीते हैं। एक मैच टाई रहा, जिसे बेंगलुरु ने जीता था। पिछले सीजन दोनों के बीच एक मुकाबला हुआ था, जिसे फउइ ने जीता। इस सीजन के पहले मैच में भी बेंगलुरु ने वानखेड़े में मुंबई को 18 रन से हराया था।

आरसीबी की सबसे बड़ी चिंता उसका टॉप ऑर्डर है। फिल साल्ट की जगह आए जैकब बेथेल अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। उन्होंने चार पारियों में 14, 20, 5 और 4 रन बनाए हैं। इससे विराट कोहली पर रन बनाने का दबाव बढ़ गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी इस सीजन में संघर्ष कर रहे हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 23 रन है। मिडिल ओवरों में रन न बनाना टीम की हार की बड़ी वजह रहा है। कोहली 10 मैचों में 164.06 की स्ट्राइक रेट से 379 रन बनाकर टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। वहीं, भुवनेश्वर कुमार 17 विकेट लेकर कढछ के टॉप विकेट टेकर बने हुए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने पिछले मैच में लखनऊ के खिलाफ 228 रन का लक्ष्य हासिल कर दम दिखाया है। चोट के बाद लौटे रोहित शर्मा ने 44 गेंदों पर 84 रन की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट मुंबई की गेंदबाजी को मजबूत बनाते हैं। रायन रिकलटन 8 मैचों में 380 रन बनाकर टीम के टॉप रन स्कोरर हैं।

दिल्ली के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे पंजाब किंग्स

धर्मशाला। पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में जब खराब फॉर्म से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगी तो इंडियन प्रीमियर लीग के आखिरी चरण में अपने प्रदर्शन में आई चौंकाने वाली गिरावट को रोकने की कोशिश करेगी। एचपीसीए स्टेडियम में 17 मई तक तीन मैच के साथ पंजाब की टीम अपने घरेलू चरण को समाप्त करेगी। अपने पिछले तीन लीग मैच में मिली हार के बाद टीम खेल के सभी विभागों में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उस टीम के लिए हालांकि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है जो कुछ समय पहले तक इस टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी लेकिन लीग चरण के बाकी मुकाबलों के लिए उसे अपनी बुनियादी चीजों को ठीक करने की जरूरत है। हैदराबाद में टीम की कैचिंग बहुत खराब थी। इसके अलावा अर्शदीप सिंह की अगुवाई वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी रन लुटा रहा है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी भी अच्छी शुरुआत के बाद अब नाकाम हो रही है। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाले पंजाब किंग्स को प्ले ऑफ में जगह बनाने के लिए अब भी कम से कम दो जीत की जरूरत है और ऐसे में टीम चाहती है कि उनके खिलाड़ी उन्हीं तरीकों पर कायम रहें जिनसे उन्हें टूर्नामेंट के पहले हाफ में सफलता मिली थी। टी20 जैसे अनिश्चित प्रारूप में लय बहुत अहम होती है और पंजाब किंग्स की टीम चाहेगी कि वे जल्द से जल्द फिर लय हासिल कर लें। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की नजरें पहले से ही अगले सत्र पर टिकी हैं क्योंकि वे अपने पिछले छह में से पांच मैच हारने के बाद अंक तालिका के निचले हिस्से में हैं। घरेलू मैदान पर दिल्ली का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है इसलिए वे पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के लिए स्थल में बदलाव का स्वागत करेंगे। उसके बल्लेबाज धीमी और टर्न लेने वाली पिचों पर खुद को ढालने में नाकाम रहे हैं जिससे उनकी कमजोरियां उजागर हुई हैं। प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव के साधारण प्रदर्शन ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं जबकि मिचेल स्टार्क शायद बहुत देर से टीम से जुड़े। पंजाब किंग्स की तरह दिल्ली के क्षेत्ररक्षण ने भी उसे निराश किया है। आंकड़ों के लिहाज से दिल्ली की टीम अब भी प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि वे टूर्नामेंट में आगे बढ़ पाएंगे। समय: मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायल अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स: अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज

निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर, टी नटराजन।

संक्षेप

संधू पार 72 का कार्ड खेलने के बाद शीर्ष 40 से बाहर

बार्सिलोना। युवराज संधू एस्ट्रेला डैम कैटालुन्या चैंपियनशिप के तीसरे दौर में ईवन पार 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 46वें स्थान पर खिसक गए। तीसरे दिन अच्छी शुरुआत के बाद आखिरी नौ होल में एक डबल बोगी और एक बोगी करने के कारण उनका स्कोर 72 रहा। उनका कुल स्कोर चार-अंडर (68-72-72) है। इससे पहले शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत कट हासिल करने में असफल रहे थे। संधू ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार अंदाज में चार-अंडर 68 के साथ की थी, लेकिन दूसरे दिन उन्हें संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने ईवन पार 72 का स्कोर बनाया। संधू ने तीसरे दौर के पहले 10 होल में चार बर्डी और एक बोगी लगाई। वह शीर्ष-20 में जगह बनाने की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन 15वें होल पर डबल बोगी और 18वें होल पर बोगी के कारण उन्होंने चार होल में तीन शॉट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के युराव प्रेमलाल ने तीसरे दौर में नौ-अंडर 63 का शानदार कार्ड खेलते हुए कुल 19-अंडर (70-64-63) के स्कोर के साथ बढ़त बना ली है।

एशियाई चैंपियनशिप में लय हासिल करने की कोशिश करेंगे भारतीय

गांधीनगर। भारतीय भारोत्तोलक सोमवार से यहां शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप में घरेलू समर्थन का फायदा उठाकर शानदार प्रदर्शन करने और राष्ट्रमंडल खेलों तथा एशियाई खेलों से पहले अपनी तैयारियों को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। आगामी राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों को देखते हुए यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यहां के प्रदर्शन और इससे हासिल अंक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी दावेदारी मजबूत करेंगे। भारत ने इस प्रतियोगिता के लिए अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण उतारा है। ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू हालांकि इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगी, क्योंकि वह कंधे की चोट से उबर रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में राष्ट्रमंडल पदक विजेता बिंद्यारानी देवी, हरजिंदर कौर और लवप्रीत सिंह पर निगाहें रहेंगी।

जस्टिना ने तुमकुरु ओपन आईटीएफ का एकल खिताब जीता

तुमकुरु (कर्नाटक)। शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुल्सकाइट ने रविवार को यहां आईटीएफ डब्ल्यू35 तुमकुरु ओपन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग का खिताब जीता जब दूसरी वरीयता प्राप्त जुजाना पावलिकोवस्का को चोट के कारण मैच से हटना पड़ा।

कंधे की चोट के कारण शनिवार को युगल फाइनल से हटने वाली जुजाना ने तकलीफ में होने के बावजूद खिताबी मुकाबले के लिए तुमकुरु जिला टेनिस संघ स्टेडियम के कोर्ट पर उतरकर जबरदस्त हिम्मत दिखाई। हालांकि पहले गेम के बाद पोलैंड की खिलाड़ी मैच जारी नहीं रख सकीं जिससे जस्टिना ने जीत दर्ज की। इससे

दर्शकों को निराशा हाथ लगी जो शीर्ष दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के बीच रोमांचक फाइनल की उम्मीद में आए थे। यह जस्टिना का आठवां आईटीएफ एकल खिताब था है। ट्रॉफी के साथ लिथुआनिया की इस खिलाड़ी को विजेता के तौर पर 4,860 डॉलर और 35 डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक भी मिले।

बांग्लादेश की पाक पर 34 रन की बढ़त

ढाका। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन के पांच विकेट से बांग्लादेश रविवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पाकिस्तान को पहली पारी में 386 रन पर आउट कर अपनी कुल बढ़त 34 रन की कर ली। मेहदी ने 102 रन देकर पांच विकेट हासिल किए जिससे बारिश से प्रभावित तीसरे दिन पाकिस्तान की टीम 386 रन पर ऑल आउट हो गई और बांग्लादेश ने 27 रन की बढ़त हासिल की। स्टंप तक बांग्लादेश ने बिना कोई विकेट खोए सात रन बना लिए जिससे उसकी कुल बढ़त बढ़कर 34 रन हो गई। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल समय से पहले ही रोकना पड़ा। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अजान अवैस (103 रन) ने अपने पदार्पण मैच में शतक जड़ा जबकि तीन अन्य बल्लेबाज अब्दुल्ला फजल, सलमान आगा और मोहम्मद रिजवान ने भी अर्धशतक बनाकर उनका बखूबी साथ दिया।

सीएसके ने मजबूत की प्लेऑफ की उम्मीद

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी

जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की।

टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपरजायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडेन मारक्रम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे।

इंग्लिस ने अपनी पारी में छह छक्के और 10 चौके जड़कर सुपरजायंट्स का स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवरटन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें इंग्लिस का विकेट भी शामिल था। नूर अहमद ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च किए। आखिरी ओवरों में शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की।

विश्व कप : नीरू व विवान ने ट्रैप मिश्रित में जीता कांस्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। नीरू ढांडा और विवान कपूर ने ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया जिससे भारत ने रविवार को कजाखस्तान के अल्माटी में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में सकारात्मक तरीके से अपना अभियान समाप्त किया। यह पदक नीरू और विवान के लिए ओलंपिक स्पर्धा में आईएसएसएफ विश्व कप का पहला पोडियम स्थान था और पिछले साल ओलंपिक कार्यक्रम में मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धाको शामिल किए

जाने के बाद से भारत का दूसरा पदक था। नीरू और विवान ने फाइनल में पहले 30 में से 24 निशाने लगाए। इटली की शीर्ष जोड़ी सिल्वाना स्टांको और मौरो डी फिलिपिस के बराबर स्कोर करने के बावजूद उन्हें रजत पदक से चूकना पड़ा क्योंकि वे क्वालीफिकेशन में इतालवी जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। चीनी ताइपे के कुन-पी यांग और वान-यू लियू ने फाइनल में 36 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना दूसरा विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। विवान और नीरू ने क्वालीफिकेशन में 143 का स्कोर किया था जो पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिल्वाना और इस स्पर्धा के पूर्व विश्व चैंपियन मौरो के स्कोर से सिर्फ दो अंक कम था। अहवर रिजवी और प्रगति दुबे की दूसरी मिश्रित जोड़ी प्रतियोगिता में 23वें स्थान पर रही।

टाइटंस के शीर्ष क्रम में बेहद शानदार बल्लेबाज : हेडन

जयपुर। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन का मानना है कि उनके पास जबरदस्त गेंदबाजी आक्रमण है और बल्लेबाजी क्रम के शीर्ष पर शानदार बल्लेबाज मौजूद हैं और साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग में टीम सही समय पर अपनी बेहतरीन फॉर्म में आ रही है। टाइटन्स ने लगातार चार मैच जीते हैं जिसमें शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 77 रन की जीत भी शामिल है। इस जीत के साथ टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

गुकेश छठे स्थान पर रहे, नीमैन को खिताब

वारसॉ। विश्व चैंपियन डी गुकेश को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा जबकि अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया। खिलाड़ियों ने नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर दो अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था।

भारत ने तीरंदाजी विश्व कप में जीते स्वर्ण सहित दो पदक

एजेंसी

शंघाई। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को यहां

दीपिका की अगुआई में महिला रिकर्व टीम ने विश्व कप में जीते पदक

तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान और खिताब के प्रबल दावेदार चीन को शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक फाइनल में भारत ने पहला सेट जीता लेकिन चीन ने

वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण शूट ऑफ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की।

अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम शूट ऑफ तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया। हालांकि सिमरनजीत कौर के लिए यह दिल तोड़ने वाला अनुभव रहा जब उन्हें सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और बाद में चैंपियन बनीं दक्षिण कोरिया की कांग चेयांग के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा।

रोइंग महाकुंभ : रामगढ़ताल नेशनल टूर्नामेंट्स की करेगा मेजबानी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन और खेलों को बढ़ावा देने की सोच के चलते गोरखपुर का रामगढ़ताल आज देश के बेहतरीन रोइंग वेन्यू में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध गोरखपुर अब जल क्रीड़ाओं के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में भी तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खेल विजन का ही परिणाम है कि रामगढ़ताल को लगातार बड़े राष्ट्रीय आयोजनों की

योगी सरकार के विजन से वॉटर स्पोर्ट्स हब बना शहर, 'अस्मिता लीग' और 'जूनियर नेशनल' के लिए जुटेंगी देश भर की टीमें

मेजबानी मिल रही है। इसी कड़ी में यहाँ 12 मई से अगले दस दिनों तक रामगढ़ताल की लहरों पर अस्मिता नेशनल महिला रोइंग लीग और 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में पदकों के लिए रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से और रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित इन दो चैंपियनशिपों के सफल क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश खेल विभाग हर संभव बुनियादी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान कर रहा है। यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश के खेल परिदृश्य को नई ऊंचाई देंगे, बल्कि गोरखपुर को राष्ट्रीय जल क्रीड़ा मानचित्र पर और अधिक मजबूत पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे

गोरखपुर में खेल पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी।

अस्मिता नेशनल महिला रोइंग लीग 12 से 16 मई तक, खिलाड़ियों पर होगी लाखों के इनामों की बारिश

रोइंग के महाकुंभ की शुरूआत अस्मिता नेशनल महिला रोइंग लीग से होगी। इस आयोजन में देश भर की उम्दा महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। लीग का आयोजन 12 से 16 मई, 2026 तक किया जा रहा है। चैंपियनशिप में प्रतिभाग के लिए टीमें 12 मई तक पहुंचेंगी। वहीं 13 मई को चैंपियनशिप का उद्घाटन होगा। चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबलों का आयोजन 16 मई को होगा। चैंपियनशिप में अंडर-15 आयु वर्ग, अंडर-19 आयु वर्ग और ओपन वर्ग प्रत्येक में चार-चार इवेंट आयोजित होंगे। सभी इवेंट 1000 मीटर में होंगे। यह लीग न केवल खेल, बल्कि महिला सशक्तिकरण का भी एक बड़ा प्रतीक है। इसका मुख्य उद्देश्य रोइंग की महिला एथलीटों को एक पेशेवर मंच देना और उन्हें भविष्य के बड़े आयोजनों के लिए तैयार करना है।

इनामी राशि से नया कीर्तिमान

लीग के प्रत्येक वर्ग (ओपन, अंडर-19 और अंडर-15) में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम के लिए 1,55,500 रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। खास बात यह है कि केवल टॉप-3 ही नहीं, बल्कि आठवें स्थान तक आने वाली सभी टीमों को नकद पुरस्कारों से नवाजा जाएगा, ताकि खेल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनी रहे। यह बड़ी पहल महिला रोइंग के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप 17 से 21 मई तक, भविष्य के सितारों की होगी खोज

अस्मिता लीग के तुरंत बाद, 17 से 21 मई तक 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आगाज होगा। यह टूनामेंट देश की युवा प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने का सबसे बड़ा जरिया है। उत्तर प्रदेश के लिए यह गर्व की बात है कि जूनियर स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने गोरखपुर को मौका दिया है। इस चैंपियनशिप में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टीमें भाग लेंगी। यह टूनामेंट भविष्य की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाओं को तराशने का बड़ा जरिया बनेगा। चैंपियनशिप में बालक व बालिका वर्ग में पांच इवेंट का आयोजन होगा। सभी इवेंट 2000 मीटर में होंगे।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

जुगैल पुलिस की चेकिंग अभियान में सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन कर रहे 06 व्यक्तियों एवं अन्य प्रकरण में 03 व्यक्तियों को किया गया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध, अपराधियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के निर्देशन में एवं प्रभारी निरीक्षक जुगैल मय पुलिस टीम द्वारा रात्रि में चेकिंग के आधार पर रोड के किनारे बैठकर व सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करते समय कुल 06 व्यक्तियों व अन्य प्रकरण में 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है, बाद गिरफ्तारी नियमानुसार शांति भंग की आशंका के दृष्टिगत धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत कुल 09 अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

डीएवी के प्रसिद्ध श्रीवास्तव ने जिले में लहराया परचम

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर के पांचवीं का छात्र प्रसिद्ध श्रीवास्तव ने प्रतिष्ठित हिंदुस्तान ओलंपियाड -- 2026 में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स लिमिटेड द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रसिद्ध श्रीवास्तव ने अपनी उत्कृष्ट बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच और अकादमिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के प्रार्थना सभागार में प्राचार्य श्री राजकुमार ने प्रसिद्ध श्रीवास्तव को हिंदुस्तान अखबार की ओर से प्रशस्तिपत्र, मेडल एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय की ओर से प्रसिद्ध श्रीवास्तव के पिताजी डॉ० राजेश कुमार श्रीवास्तव को भी अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य श्री राजकुमार ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। प्राचार्य ने कहा, जो बच्चे ओलंपियाड में टॉपर्स नहीं हुए हैं, उन्हें निराश नहीं होना चाहिए। जो जितना साहसी होगा, परिश्रम करेगा; वह उतना हीं आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और सकारात्मक सोच हीं आपको आगे ले जाएगी। इस अवसर पर डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रसिद्ध श्रीवास्तव की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से हीं यह संभव हो सका है। उन्होंने कहा, हम हिन्दुस्तान अखबार की इस पहल की सराहना करते हैं जो विद्यार्थियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अवसर प्रदान करता है। ओलंपियाड के इंचार्ज शिक्षक नीरज गुप्ता ने कहा कि डीएवी परिवार प्रसिद्ध श्रीवास्तव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में प्रसिद्ध के साथ-साथ विद्यालय के अन्य अनेक छात्र हिंदुस्तान ओलंपियाड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर अपना और इस क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। ओलंपियाड समग्र विकास एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अति आवश्यक है। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक विजय कुमार तिवारी, जय सिंह, एस पी तिवारी, डी सी शुक्ला, मीना सिंह, अरूण कुमार सिंह, माधुरी यादव, श्रद्धा ठाकरे, नम्रता चौधरी, शुभेंद्र कुमार, कंचन कुमारी आदि के साथ-साथ पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

खास समाचार

मुख्यमंत्री गरजते रहे, अफसर कागज रंगते रहे?

हरदोई में एक साल से नहीं खुला चकमार्ग नं० 724, आदेश बने मजाक!

शाहाबाद। हरदोई तहसील के टोडरपुर गांव में चकमार्ग नं० 724 को खुलवाने का मामला अब प्रशासनिक लापरवाही और राजस्व विभाग की निष्क्रियता की मिसाल बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री से लेकर जिला अधिकारी तक के आदेश आखिर जमीन पर क्यों नहीं उतर पा रहे? या फिर शासन के आदेश केवल अखबारों की सुर्खियां बनने तक ही सीमित हैं?

ग्रामीणों का आरोप है कि करीब एक वर्ष से चकमार्ग खुलवाने की कार्रवाई ह्लचल रही हैह्व, लेकिन हकीकत में आज तक अतिक्रमण नहीं हट सका। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शासन और प्रशासन लगातार अवैध कब्जे हटाने के दावे कर रहे हैं, तो टोडरपुर का चकमार्ग आखिर किसके संरक्षण में बंद पड़ा है?

सूत्रों के मुताबिक राजस्व विभाग और ग्राम सभा दोनों ही ह्लमद न मिलनेह्व का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं। यदि अतिक्रमण हटाने के लिए कोई बजट नहीं है, तो फिर मुख्यमंत्री और जिला अधिकारी के आदेशों का औचित्य क्या रह जाता है?

ग्रामीणों में भारी रोष है। उनका कहना है कि अधिकारी केवल फाइलों में कार्रवाई दिखाकर शासन को गुमराह कर रहे हैं, जबकि धरातल पर हालात जस के तस हैं। अब बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि – क्या हरदोई प्रशासन भाजपा सरकार की मंशा और जीरो टॉलरेंस नीति को ही पलीता लगाने में जुटा है? या फिर प्रभावशाली कब्जेदारों के आगे पूरा सिस्टम घुटने टेक चुका है?

राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ, सुलह-समझौते से वाद निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। माननीय जनपद न्यायाधीश राम सुलीन सिंह द्वारा आज न्यायालय परिसर में दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोक अदालत के माध्यम से आपसी सुलह-समझौते के आधार पर लंबित वादों के त्वरित एवं सरल निस्तारण किया जाएगा

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला का चाकू की नोक पर सोने की चेन छीनकर नकाबपोश बदमाश फरार, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

डाला सोनभद्र। पुलिस चौकी डाला अंतर्गत नई बस्ती वार्ड नंबर 9 क्षेत्र में नकाबपोश बाइक सवार ने चाकू के नोक पर घर से टहलने निकली एक महिला के गले से सोने की चेन छीन कर मौके से फरार हो गए, घटना के बाद आसपास क्षेत्र में हड़कंप मच गया, सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। मिली जानकारी मुताबिक शनिवार की सुबह करीब 6:00 बजे डाला नई बस्ती निवासी मुद्रिका सेठ की पत्नी घर से टहलने के लिए निकली थी कि पास के ही नई बस्ती इलाके में सुनसान वाली एक जगह पर (चंद्रावती गोंड के घर से कुछ दूरी पर)जैसे ही महिला पहुंची, सफेद गमछे से चेहरा ढका हुआ एक बदमाश ने महिला को चाकू के बल पर दहशत बनाते हुए गले से सोने का चेन छीनने के बाद बाइक से फरार हो गया, वारदात की जानकारी होते ही आसपास के क्षेत्र व सुबह टहल रहे लोगों में हड़कंप मच गया।

गांवों में सूखे पड़े तालाब गर्मी में गहराता जल संकट, धरातल पर योजनाएं धराशाई?

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद(हरदोई)। बीते कुछ दिनों से मौसम के तेवर अचानक बदल गए हैं। सुबह से ही तेज धूप और बढ़ती गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। दोपहर होते-होते तापमान इस कदर बढ़ जाता है कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होने लगा है। शहरी क्षेत्रों में जहां ऊंची इमारतें गर्मी को और अधिक बढ़ा देती हैं, वहीं वहां रहने वाले लोगों के पास पंखा, कूलर और एयर कंडीशनर जैसे साधन उपलब्ध होने से कुछ हद तक राहत जरूर मिल जाती है। इसके विपरीत, ग्रामीण अंचलों की स्थिति कहीं अधिक गंभीर बनी हुई है। खुले वातावरण में रहने वाले ग्रामीणों को सुबह से ही तेज धूप का सामना करना पड़ रहा है। जल स्रोतों की बात करें तो गांवों के पोखर और तालाब सूखे हैं, जिन्हें भरने के लिए जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती है। जिससे न केवल लोगों बल्कि पशु-पक्षियों के सामने भी पानी का संकट खड़ा हो गया है। गांव गांव ह्यहर घर नल, हर घर जलह्व के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कई गांवों में आज भी पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। इतना ही नहीं, योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए कई गांवों में सड़कों को खोद दिया गया, जिससे गली-मोहल्लों की स्थिति दयनीय हो गई है। गर्मी के मौसम में भी कई स्थानों पर कीचड़ और गड्ढों से होकर गुजरना ग्रामीणों की मजबूरी बन गई है।

जल स्तर में लगातार गिरावट के कारण नलों से पानी आना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार द्वारा इतनी बड़ी योजनाएं चलाई जा रही हैं, तो उनका लाभ आम जनता तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। क्या इसके पीछे अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और निर्माण एजेंसियों की लापरवाही या भ्रष्टाचार जिम्मेदार है?

प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंस की नीति की बात लगातार की जाती रही है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इन योजनाओं में कथित अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के मामलों में जिम्मेदारों पर कोई सख्त कार्रवाई की जाएगी। विकास खंड शाहाबाद एवं टोडरपुर क्षेत्र के अधिकांश खराब पड़े हैंडपंप, जिनके रीबोर के नाम पर खर्च तो दिखाया जा रहा है, लेकिन वास्तविकता में लोगों को राहत नहीं मिल पा रही। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान परिस्थितियों में यह एक बड़ा प्रश्न बनकर उभरा है कि क्या जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई टंकियों से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी, और क्या ग्रामीणों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल पाएगी। फिलहाल, आमजन उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाएगी, ताकि लोगों को मूलभूत आवश्यकता—पानी—के लिए संघर्ष न करना पड़े।

गंगा एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव: रेलिंग तोड़ कई बार पलटी स्कॉर्पियो, युवक की मौत, चार घायल

हादसे के बाद एक घंटे तक नहीं पहुंची मदद, यूपीडा की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई।पचदेवरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह गंगा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। कुरारी-बरूआरा ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी और कई बार पलटती चली गई। हादसा इतना भयावह था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार दिल्ली के यमुना विहार निवासी मनोज कुमार गौड़ अपने परिवार के साथ जौनपुर में रिश्तेदारी की गोदभराई रस्म में शामिल होने जा रहे थे। स्कॉर्पियो में मनोज कुमार गौड़ (49), उनकी पत्नी निर्जला (45), बेटी हर्षा (27), बेटा अभिषेक (25) तथा रिश्तेदार वंश (18) सवार थे। सुबह करीब 9:50 बजे अचानक वाहन अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गया और नीचे जा गिरा। हादसे में सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद काफी देर तक घायल सड़क किनारे तड़पते रहे, लेकिन मदद समय पर नहीं पहुंच सकी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि करीब एक घंटे तक न तो यूपीडा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और न ही कोई सुरक्षा टीम। इस दौरान एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लग गया और राहगीरों व स्थानीय लोगों ने खुद राहत कार्य शुरू किया। करीब 11:10 बजे स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सवायजपुर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे के बाद परिजनों में आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि समय पर एंबुलेंस और राहत टीम पहुंच जाती तो अभिषेक की जान बचाई जा सकती थी। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही यूपीडा द्वारा दावा किया गया था कि गंगा एक्सप्रेसवे पर किसी भी हादसे की स्थिति में 5 से 10 मिनट के भीतर एंबुलेंस और सुरक्षा दल मौके पर पहुंच जाएगा। लेकिन हरदोई का यह हादसा उन दावों की हकीकत बयां करता नजर आ रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बस्ती में महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बस्ती / अटल बिहारी प्रेक्षागृह में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर क्षत्रिय समाज के लोगों ने कार्यक्रम को आयोजित किया, कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में जीपीसी अध्यक्ष/सिद्धार्थनगर के बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल कार्यक्रम में पहुंचकर दीप प्रज्वलित कर महाराणा प्रताप के फोटो पर माल्यार्पण किया, सभागार में बैठे क्षत्रिय समाज के लोगों को संबोधित करते हुए समाज को एकजुट रखने की भी बात कही। मीडिया से बात करते उन्होंने बताया कि आज महाराणा प्रताप की जयंती थी मुझे अपनी मातृभूमि कर्मभूमि पर आमंत्रित किया गया था, 483 वर्ष पूर्व पैदा हुए महाराणा प्रताप ने अपने साहसी संकल्प और स्वाभिमान से जिस तरह से उन्होंने अपने विस्तारवादी नीति से लड़ा और जब तमाम राजाओं से अपील की और उनका समर्थन नहीं मिला इसके बावजूद भी न वह संघर्ष से विचलित हुए और ना ही उनका साहस काम हुआ, बंगाल में एक युग की समाप्ति पर उन्होंने कहा कि बंगाल में करप्शन की समाप्ति का जनादेश है बंगाल में गुंडागर्दी का बंगाल में हिंसा का रोहिंग्या और बांग्लादेश की जो बड़ी मात्रा में इसी बंगाल के रास्ते से देश में हमारी संपत्तियों पर जिसका अधिकार भारत के नागरिकों का है उसे पर आज बांग्लादेशी रोहिंग्या विदेशी हुआ है, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि चुन चुन कर एक-एक घुसपैठियों को बांग्लादेसियों को हम बाहर करेंगे और बंगाल को सोनार बंगाल बनाएंगे, निश्चित तौर पर आज बंगाल जो आजादी से पहले स्ट्रांग इकोनामी थी भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य था लेकिन वहां ना बिजली है न ही इन्फ्रास्ट्रक्चर है और ना ही वहां बुनियादी सुविधाएं हैं जिससे आज बंगाल इतना पीछे चला गया इसके जिम्मेदार ममता बनर्जी सीपीआई या उनके लोग हैं, केरल में कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के खिंचतान को लेकर कहा कि आखिर कांग्रेस क्यों समाप्त हुई कांग्रेस सिख पार्टी नहीं रह गई चूचू का मुरब्बा रह गया, समाजवादी पार्टी द्वारा बिना नाम लिए प्रदेश अध्यक्ष की रीड की तरफ इशारा करके ७ किया जिस पर पलटवार करते हुए उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी को जिस तरीके से ट्वीट करना है आज जब योगी आदित्यनाथ किसी न किसी जनपद का दौरा करते हैं प्रधानमंत्री मोदी अभी 7 दिन पहले ही शाहजहांपुर हरदोई में जम्मू गंगा एक्सप्रेसवे बना रहे थे कहीं डिफेंस कॉरिडोर बना रहे हैं कहीं काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बना रहे हैं नोएडा में सेमीकंडक्टर चिपका कारखाना लगा रहे हैं उसे समय भी केवल अखिलेश यादव द्वारा बैठकर केवल ट्वीट करना तो जो हसर 2022 में हुआ वही हसर 2027 में समाजवादी पार्टी का होगा। कार्यक्रम में कृष्ण चंद्र सिंह, ओ एन सिंह, रोली सिंह, महेश सिंह, गोपेश पाल, अखंड सिंह, अमन प्रताप सिंह, रामप्रताप सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

उपले उठाते समय निकला 8 फीट लंबा सर्प

वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। तहसील क्षेत्र के ग्राम मढ़ा में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला घर के पास रखे उपले-कंडे उठा रही थी। इसी दौरान अचानक वहां एक विशालकाय सर्प दिखाई दिया। करीब 8 फीट लंबे सर्प को देखकर महिला घबरा गई और मौके पर मौजूद ग्रामीणों में भी दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना गरौठा वन विभाग की टीम को दी। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी बामौर अवधेश प्रताप सिंह बुंदेला के निर्देशन में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक सर्प का रेस्क्यू अभियान चलाया। टीम ने काफी मशक्कत के बाद सर्प को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू टीम प्रभारी मयंक ठाकुर ने बताया कि पकड़ा गया सर्प रेड स्नैक प्रजाति का है, जो सामान्यतः विषहीन होता है और इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाता। रेस्क्यू के बाद सर्प को सुरक्षित रूप से गरौठा के जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया। रेस्क्यू अभियान में मयंक ठाकुर, मोनू पाठक एवं वन रक्षक तेज प्रताप सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ग्रामीणों ने वन विभाग की तत्परता की सराहना की।

सांसद चंद्रकांत हंडोरे को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए पार्लियामेंट्री वेलफेयर कमेटी का मेंबर चुना गया

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, :- राज्यसभा सांसद चंद्रकांत हंडोरे को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (रउ-रळ) वेलफेयर कमेटी का मेंबर चुना है। टढ चंद्रकांत हंडोरे 1 मई, 2026 से 30 अप्रैल, 2027 तक इस कमेटी में काम करेंगे। टढ डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस कमेटी का चेयरमैन चुना है। इस कमेटी का मेंबर चुने जाने के बाद टढ चंद्रकांत हंडोरे ने रिपोर्टर्स से कहा कि इस कमेटी के जरिए देश भर में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों का विकास किया जाएगा। मैं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की भलाई के लिए देश भर का दौरा करूंगा। देश के, खासकर महाराष्ट्र के, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नागरिकों को अगर कोई शिकायत है, तो वे हंडोरे से मोबाइल नंबर 8527498887 पर संपर्क करें। इस कमेटी के पास कई अधिकार हैं। अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नागरिकों के साथ कोई अन्याय होता है, तो उस अन्याय को दूर करने का काम इस कमेटी के जरिए किया जाता है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, टढ राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आशीर्वाद से सांसद चंद्रकांत हंडोरे को इस कमेटी का सदस्य चुना गया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर बने डॉ. हर्षवर्धन सिंह, डीडीयू में हुआ सम्मान

रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग ने आयोजित किया भव्य समारोह, शिक्षकों व छात्रों ने दी बधाई

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग के पूर्व शोध छात्र डॉ. हर्षवर्धन सिंह के केन्द्रीय विश्वविद्यालय इलाहाबाद (प्रयागराज) में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयनित होने पर विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में वरिष्ठ आचार्य प्रो. सतीश चन्द्र पाण्डेय ने डॉ. हर्षवर्धन सिंह को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि विभाग और विश्वविद्यालय दोनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता आगे और बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है। विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि एक शिक्षक के लिए अपने ही छात्र को देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में चयनित होते देखना अत्यंत गौरव का क्षण होता है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. हर्षवर्धन भविष्य में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे तथा दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक सहयोग को भी सुदृढ़ करेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीन कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. आरती यादव, डॉ. विजय कुमार, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य विभागों के डॉ. आनंद सिंह, डॉ. श्री प्रकाश सिंह, डॉ. रामकृत सिंह एवं डॉ. सुनील कुमार ने भी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने सम्मान संबोधन में डॉ. हर्षवर्धन सिंह ने कहा कि यह क्षण उनके लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जिस विभाग में उन्होंने छात्र के रूप में शिक्षा प्राप्त की, उसी स्थान पर सम्मानित होना उनके लिए विशेष गर्व की बात है। उन्होंने अपने सभी शिक्षकों के स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों के माध्यम से विभाग और विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से मां पटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह, गणित एवं सांख्यिकी विभागाध्यक्ष प्रो. उमा श्रीवास्तव, रक्षा अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. प्रदीप कुमार यादव तथा प्रो. श्री निवास मणि त्रिपाठी के मार्गदर्शन को भी याद किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. हर्षवर्धन सिंह गोरखपुर जनपद के खानीपुर, तेनुआ गांव के मूल निवासी हैं।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

द रॉयल्स' के एक साल पूरे, भावुक हुए ईशान

मुंबई। ओटीटी की दुनिया में पिछले कुछ सालों में कई ऐसी सीरीज आई हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। ऐसी ही एक सीरीज रही 'द रॉयल्स', जिसने रिलीज होते ही युवाओं के बीच अलग पहचान बनाई थी। अब इस सीरीज को एक साल पूरा हो चुका है। इस खास मौके पर अभिनेता ईशान खट्टर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने सीरीज से जुड़ी कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद भी कहा। ईशान ने इंस्टाग्राम पर 'द रॉयल्स' के सेट से जुड़े कई खास पल साझा किए।

लाइफ Style

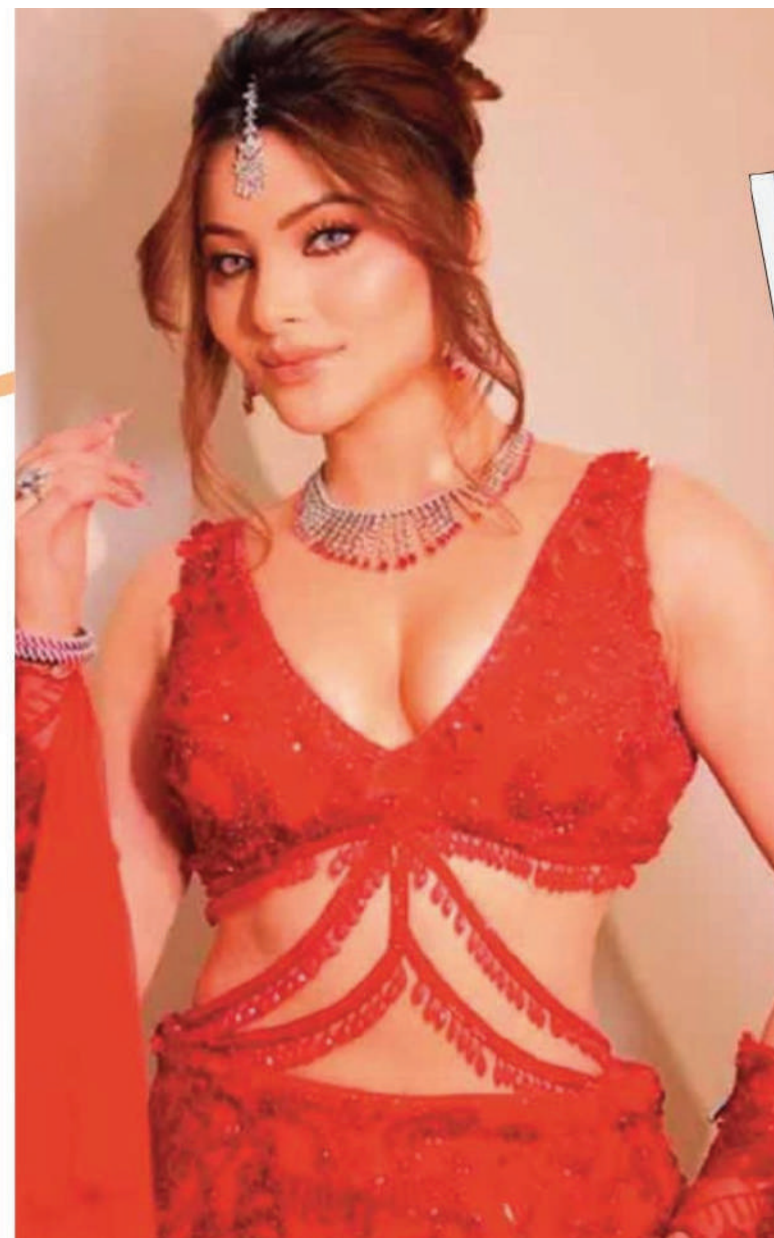

उर्वशी

मेरे किरदार की चुप्पी में छिपा संघर्ष

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा मे है। इस बार उनका किरदार पहले से ज्यादा भावनात्मक रूप से मजबूत दिखने वाला है। इस पर उर्वशी का कहना है कि इस बार उनके किरदार की सबसे बड़ी ताकत 'चुप्पी में छिपा संघर्ष' है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

बाहर से शांत दिखने वाले मेरे किरदार के अंदर चल रहा लगातार मानसिक संघर्ष ही उसकी मजबूती है। उर्वशी रौतेला ने अपने किरदार पूनम मिश्रा के बारे में बात करते हुए कहा, इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है। उर्वशी ने कहा, क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है। उर्वशी ने कहा, मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

हॉलीवुड मसाला

मदर्स डे पर की खूबसूरत पहल

लॉस एंजिल्स। मदर्स डे के अवसर पर ग्लोबल स्टार किम कार्दशियन जेल में बंद कई मांओं को उनके बच्चों से मिलवाने में मदद कर रही हैं। किम कार्दशियन ने रिफॉर्म अलायंस और लेडीज ऑफ होप मिनिस्ट्रीज के साथ मिलकर पूरे अमेरिका की फेडरल जेलों में बंद 50 मांओं के लिए इस रविवार को अपने बच्चों से मिलने का इंतजाम किया है। इस पहल के तहत परिवारों के सफर और दूसरे खर्चों का ध्यान रखा जाएगा, ताकि वे मदर्स डे एक साथ मना सकें। पीपल मैगजीन के मुताबिक, परिवारों का चुनाव 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया गया था।

'डेडलिएस्ट कैच' फेम एक्टर जेक एंडरसन की शादी टूटी

लॉस एंजिल्स। 'डेडलिएस्ट कैच' फेम स्टार जेक एंडरसन और उनकी पत्नी जेना का तलाक हो रहा है। जेक एंडरसन ने इसकी पुष्टि कर दी है। इसी के साथ 17 साल के रिलेशनशिप और 13 साल की शादीशुदा जिंदगी का अंत हो रहा है। जेक एंडरसन ने इस बात की पुष्टि की है कि वे और उनकी पत्नी जेना एंडरसन 13 साल शादीशुदा जिंदगी में साथ रहने के बाद अब अपनी शादी खत्म कर रहे हैं। पीपल (**PEOPLE**) मैगजीन के अनुसार, यह बात इस लोकप्रिय शो के 22वें सीजन के प्रीमियर के दौरान सामने आई, जहां जेक ने अपनी निजी जिंदगी के मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की, जबकि वे अपनी प्रोफेशनल लाइफ में भी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। अलग होने के बारे में बात करते हुए जेक ने कहा, '17 साल साथ रहने और 13 साल शादीशुदा जिंदगी में बिताने के बाद जेना और मैंने अब अलग होने का फैसला कर लिया है'।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अभिनेत्री दिशा पाटनी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है।

मेरा काम लोगों का इंटरटेन करना

मुंबई। दिलजीत दोसांझ म्युजिक इंडस्ट्री का जाना चेहरा है। उन्होंने ग्लोबल लेवल पर भी अपनी तगड़ी पहचान बनाई है। वहीं इन वो राजनीति में आने की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में जब उनसे पंजाब की राजनीति का 'नया चेहरा' बनने की अपील की गई, तो उन्होंने 'नेवर' कहकर इसे ठुकरा दिया। दरअसल, एक दैनिक अखबार ने हाल ही में 'क्या दिलजीत पंजाब की राजनीति का नया चेहरा बन सकते हैं?' शीर्षक से एक आर्टिकल पब्लिश किया। रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड सैनिकों और समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों सहित कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिलजीत से राजनीति में आने की सार्वजनिक अपील की थी। बताया गया कि रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट एसएस बोपराय के नेतृत्व वाला ये ग्रुप चाहता है कि दिलजीत पंजाब की नई राजनीतिक आवाज बनें।

टीवी मसाला

खेल के मैदान के बाद टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, रिलीज हुआ नए शो का टीजर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बेहतरीन बैट्समैन और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का हर काम उनके फैंस को पसंद आता है। फैंस उनके परफॉर्मेंस, ऐड और इंटरव्यू पर प्यार लुटाते हैं। उनका हर अंदाज फैंस को पसंद आता है। ऐसे में रोहित शर्मा टीवी पर एक शो लेकर आ रहे हैं। रोहित ने पूछा है कि अगर वह टीवी पर अपना अंदाज लेकर आएंगे तो क्या होगा? क्रिकेटर रोहित शर्मा जल्द ही टीवी पर अपना एक शो लेकर आने वाले हैं। इसका टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। टीजर में दिखाया गया है कि रोहित अपने फैंस से मिलते हैं। फैंस उनसे 'कोई गार्डन में नहीं घूमेगा' बोलने को कहते हैं। इस डिमांड से वह परेशान हो जाते हैं। इस बीच वह कॉल करके अपने घर पर गार्डन का काम रुकवा देते हैं। टीजर के आखिर में रोहित कहते हैं 'दो लाइनें क्या बोल दीं, इतनी वायरल हो गईं, जब मेरा पूरा शो आएगा तो क्या होगा? टीजर में यह नहीं बताया गया है कि उनके शो का क्या नाम है और यह किस बारे में है। हालांकि रोहित ने टीजर से अपने फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उनका शो सोनी टीवी पर आने वाला है। बताया जाता है कि रोहित शर्मा अपनी खास हाजिरजवाबी और सहज आकर्षण के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। दर्शक एक एंटरटेनमेंट शो की उम्मीद कर सकते हैं।

दूसरी बार मां बनीं टीवी एक्ट्रेस आशका

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस आशका गोराडिया ने गुड न्यूज शेयर की है। आशका ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। आशका और उनके पति ब्रेंट गोबल ने अब फैंस के साथ ये खुशखबरी साझा की है। सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत फोटो के साथ कपल ने अपन बेटे के नाम का भी खुलासा किया है। साथ ही चार सदस्यों के परिवार के रूप में एक नए चैप्टर की शुरुआत को लेकर शुक्रिया भी अदा किया है। आशका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें कपल और उनके बड़े बेटे के हाथ नजर आ रहे हैं, जिसमें वो नवजात को थामे हुए हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है। इसमें उन्होंने खुशखबरी साझा करते हुए कहा, '1 मई 2026 को हमारे दिलों में आए हमारे बेटे रिचर्ड थियोडोर गोबल का आगमन हुआ।

'मस्कारा' के साझा किए बीटीएस पल

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री 'जिया' नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसमे शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है।

मुंबई। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को 'किस-मिस यारा' कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है। शरवरी ने आगे लिखा, मेरा किरदार 'जिया' अपनी जिंदगी में कई बार इसी 'किस-मिस' वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। 'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। 'मस्कारा' गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार एआर रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा जलवा

मुंबई। बॉलीवुड की डांसिंग सेंसेशन और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के ओपनिंग सेरेमनी में अपनी परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। यह सेरेमनी कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित होगी। नोरा का इस बड़े मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए गर्व की बात है। 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के मशहूर बीएमओ फील्ड स्टेडियम में होगी। इस खास मौके पर नोरा फतेही के साथ कई बड़े इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार्स भी परफॉर्म करेंगे। इस लिस्ट में माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अमेरिका में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे बड़े इंटरनेशनल स्टार्स मंच संभालेंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का एक बड़ा उत्सव बनने जा रहा है। फीफा की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी देश की संस्कृति और विविधता को दुनिया के सामने पेश करेगी। समारोह की शुरुआत कनाडा की अलग-अलग खूबसूरत जगहों और वहां की परंपराओं को दिखाने वाले खास प्रस्तुतीकरण से होगी। इसके जरिए दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत किया जाएगा।

पैट्रिआर्की पर कृति का बड़ा बयान बोलीं- बड़ा हिस्सा ले जाते हैं हीरो

बॉलीवुड में मेल और फीमेल एक्टर्स की फीस को लेकर बहस

मुंबई। बॉलीवुड में मेल और फीमेल एक्टर्स की फीस को लेकर बहस लंबे समय से चल रही है। तमाम एक्ट्रेस इस मुद्दे पर बात कर चुकी हैं, अब कृति सेनन ने भी इंडस्ट्री में मौजूद पैट्रिआर्की और पे-पैरिटी पर खुलकर बात की है। कृति ने कहा कि फिल्मों में बजट कटौती का असर अक्सर सबसे पहले फीमेल एक्टर्स की फीस पर पड़ता है, जबकि बड़े हिस्से की रकम मेल स्टार्स को दी जाती है। कृति ने कहा, जब प्रोड्यूसर्स को बजट कम करना होता है तो वे सबसे पहले फीमेल लीड की फीस कम करने की कोशिश करते हैं, जबकि बजट का बड़ा हिस्सा मेल एक्टर्स को जाता है। इंडस्ट्री में पैट्रिआर्की आज भी गहराई से मौजूद है और बराबरी लाने के लिए इसे बदलना जरूरी है।

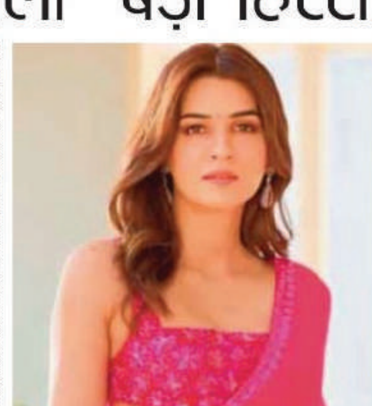

सेट् पर होते हैं भेदभाव

कृति ने फिल्म सेट्स पर होने वाले छोटे-छोटे भेदभावों का भी जिक्र किया। कृति ने कहा कि अक्सर सेट पर पहले यह देखा जाता है कि फीमेल एक्टर तैयार है या नहीं, ताकि मेल एक्टर को इंतजार न करना पड़े। उनके मुताबिक यह चीजें कई बार अनजाने में होती हैं, लेकिन इन्हें बदलने की जरूरत है।

शुरुआती करियर का अनुभव किया साझा

कृति ने अपने शुरुआती करियर का एक अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार उनके साथ काम कर रहे एक मेल को-स्टार, जो उनसे सीनियर भी नहीं थे, उन्हें बेहतर कार दी गई थी। कृति ने कहा, मुद्दा कार का नहीं था, बल्कि बराबरी के सम्मान का था। उस समय हर बात खुलकर कहना आसान नहीं होता था, लेकिन मैंने हमेशा अपने लिए खड़े होने की कोशिश की।

फीमेल किरदार सीमित

कृति ने बताया कि यही सोच उन्हें प्रोड्यूसर बनने की ओर लेकर गई। उनकी फिल्म 'दो पत्ती' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं, जिनमें महिलाओं के लिए मजबूत और अहम किरदार हों। कृति के मुताबिक, आज भी महिलाओं के लिए अच्छी और दमदार स्क्रिप्ट्स बहुत कम लिखी जाती हैं, जबकि मेल-ड्रिवन फिल्मों में फीमेल किरदार अक्सर सीमित रह जाते हैं।